सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 11 ● अंक: 98 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, सोमवार, 12 मई, 2025
मूल्य ₹ 3/-

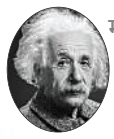

मूर्खता और बुद्धिमता में यह फर्क है कि बुद्धिमत्ता की एक सीमा होती है।

-अल्बर्ट आइंस्टीन

भारत ने जीती त्रिकोणीय... 7 | चालबाज पाक हर कदम पर... 3 | साइबर क्राइम से परेशान हैं ... 2

ट्रंप के दबाव में आई मोदी सरकार!

ट्रंप की सीजफायर मामले पर हस्तक्षेप करने को लेकर मोदी सरकार पर भड़का पूरा विपक्ष

» कांग्रेस बोली- अमेरिका को पंचायत का कोई हक नहीं

» यूबीटी शिवसेना का आरोप- प्रधानमंत्री मोदी ने ही शिमला समझौते का उल्लंघन कर दिया

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत-पाकिस्तान संघर्ष के बीच आने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति और उनके कश्मीर मुद्दे वाले बयान से भारत में कोई खुश नहीं है। आम व खास के साथ-साथ सारे सियासी दल इस पर सरकार को घेर रहे हैं। कांग्रेस से लेकर यूबीटी शिवसेना तक ने सवाल खड़ा किया है।

वहीं इस पर भाजपा ने भी पलटवार करते हुए विपक्ष को आड़े हाथों लिया है। मप्र के पूर्व सीएम ने कहा है ट्रंप को दुनिया में पंचायत करने का कोई हक नहीं है। दिग्विजय के साथ अशोक गहलोत, भूपेश बघेल व इमरान मसूद ने दिया। सभी ने पूर्व पीएम इंदिरा गांधी को याद किया। उद्धव ठाकरे गुट ने सामना में सवाल खड़े किए हैं। शिवसेना यूबीटी के मुखपत्र सामना के संपादकीय में डोनाल्ड ट्रंप के बयान को लेकर मोदी सरकार पर निशाना साधा गया है। संजय राउत ने लिखा है किसी भी बाहरी देश को हमारे देश के मसलों में बोलने का कोई अधिकार नहीं है। फिर भी अमेरिका के प्रेसिडेंट ट्रंप ने भारत-पाकिस्तान संघर्ष में हस्तक्षेप किया और भारत ने ट्रंप के युद्धविराम प्रस्ताव को स्वीकार भी कर लिया। वंही कांग्रेस ने सरकार से विशेष सत्र बुलाने की मांग की है। उधर विदेश सचिव विक्रम मिसरी पर हो रही अभद्र टिप्पणी पर भी सियासी नेताओं सरकार से हस्तक्षेप की मांग की है।

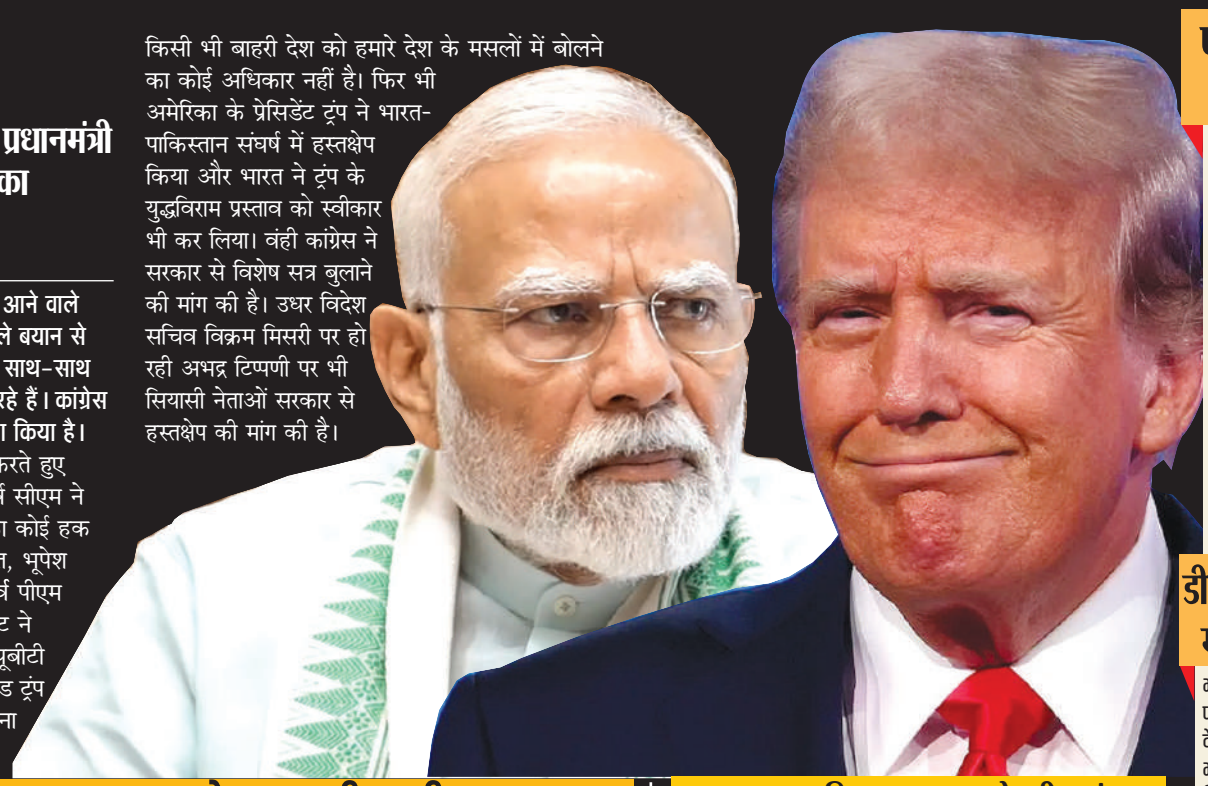

पीएम मोदी ने मौजूदा स्थिति पर चर्चा की

इस बीच, पीएम मोदी ने मौजूदा स्थिति पर चर्चा करने के लिए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल, सीडीएस अनिल चौहान और सेना, नौसेना और वायु सेना के प्रमुखों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। पाकिस्तान की यह हरकतें भारत द्वारा 7 मई को शुरू किए गए ऑपरेशन सिंदूर के बाद सामने आई हैं। इस ऑपरेशन में पाकिस्तान के पंजाब और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकी ठिकानों और लॉन्चपैडों पर लक्षित हवाई और मिसाइल हमले शामिल थे, जो 22 अप्रैल को जम्मू और कश्मीर के पहलगाम में हुए क्रूर आतंकी हमले का बदला था, जहां पाकिस्तान स्थित आतंकवादियों ने 26 पर्यटकों की गोली मारकर हत्या कर दी थी।

डीजीएमओ लेवल की मीटिंग में शाम को होगी बातचीत

भारत आज डीजीएमओ स्तर की वार्ता के दौरान पाकिस्तान को आतंकवाद के खिलाफ कड़ा संदेश देने के लिए तैयार है, जिसमें संघर्ष विराम पर भविष्य की कार्रवाई तय की जाएगी। सूत्रों ने बताया कि भारत-पाकिस्तान के सैन्य अभियान महानिदेशकों (डीजीएमओ) के बीच वार्ता शाम 4 बजे के बाद के लिए स्थगित कर दी गई है। भारत-पाकिस्तान डीजीएमओ की पिछली बातचीत 10 मई को दोपहर 3.35 बजे हुई थी, जिसके बाद संघर्ष विराम की स्थापना हुई थी, जिससे कई दिनों से चल रही शत्रुता पर कुछ समय के लिए विराम लग गया था। उस दौरान, भारत ने नियंत्रण रेखा और अंतरराष्ट्रीय सीमा के पार भारतीय सैन्य ठिकानों और नागरिक क्षेत्रों पर इस्लामाबाद द्वारा ड्रोन और प्रोजेक्टाइल दागे जाने के जवाब में पाकिस्तान के 11 एयरबेस नष्ट कर दिए थे।

ट्रंप ने ऐलान कर दिया, भारत को पता भी नहीं था : राउत

सामना में दावा किया गया कि जब डोनाल्ड ट्रंप ने भारत-पाक के बीच युद्धविराम का ऐलान किया, तब भारतासियों और सेना तक को इसकी जानकारी नहीं थी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को सरपंच का यह अधिकार किसने दिया? संजय राउत ने याद दिलाया, 1971 के भारत-पाक युद्ध के बाद दोनों देशों के बीच हुए शिमला समझौते के अनुसार, तीसरे देशों को दोनों देशों के बीच संघर्ष में हस्तक्षेप करने की अनुमति नहीं थी, लेकिन अब भारत के प्रधानमंत्री ने ही शिमला समझौते का उल्लंघन किया। भारत ने ट्रंप के दबाव के आगे झुककर युद्धविराम को मंजूरी दे दी, लेकिन क्या 'ऑपरेशन सिंदूर' या पाकिस्तान का बदला पूरा हो गया है? देश को इसका जवाब नहीं मिला।

सामना ने पूछा- प्रधानमंत्री रक्षा मंत्री, गृह मंत्री कहां हैं

सामना में यह भी लिखा गया है, पाकिस्तान अभी भी उसी तरह खड़ा है और पाकिस्तानी प्रधानमंत्री ने अपनी जीत की घोषणा कर पहलगाम हमले में सिंदूर खोने वाली 26 बहनों के घावों पर नमक छिड़क दिया है। जहां यह सब हो रहा है, वहीं प्रधानमंत्री, रक्षा मंत्री, गृह मंत्री कहीं नजर नहीं आ रहे हैं।

भारत-पाकिस्तान तनाव के बीच बंद 32 हवाई अड्डे फिर से खोले गए

भारत और पाकिस्तान के बीच हालिया सैन्य तनाव के चलते बंद किए गए देश के 32 हवाई अड्डों को एक बार फिर से नागरिक उड़ानों के लिए खोल दिया गया है। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण ने सोमवार को एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर यह जानकारी दी। एआईआई ने इन हवाई अड्डों पर तत्काल प्रभाव से उड़ान संचालन बहाल करने को लेकर औपचारिक घोषणा की है। राव के कारण 9 मई से 15 मई तक देश के उत्तर और पश्चिमी हिस्सों में स्थित 32 हवाई अड्डों, जिनमें श्रीनगर और अमृतसर जैसे प्रमुख एयरपोर्ट शामिल हैं, से नागरिक उड़ानों का संचालन अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया था।

इंदिरा गांधी का किसी से कोई मुकाबला नहीं : दिग्विजय

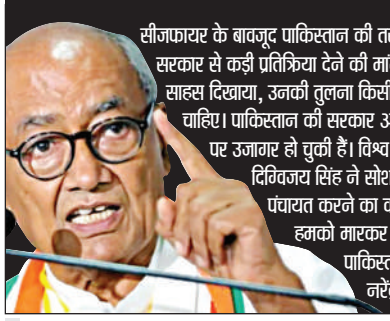

सीजफायर के बावजूद पाकिस्तान की तरफ से की जा रही गोलीबारी, मिसाइल और ड्रोन अटैक की दिग्विजय ने निंदा करते हुए भारत सरकार से कड़ी प्रतिक्रिया देने की मांग की है। दिग्विजय सिंह ने यह भी कहा कि इंदिरा गांधी का किसी से कोई मुकाबला नहीं है। उन्होंने साहस दिखाया, उनकी तुलना किसी से नहीं हो सकती है। वर्तमान सरकार को भी पाकिस्तान को हर मोर्चे पर कड़ा जवाब दिया जाना चाहिए। पाकिस्तान की सरकार आतंकवादियों को ट्रेनिंग देती है और आतंकी गतिविधियों में शामिल करती है। यह बातें अब विश्व पटल पर उजागर हो चुकी हैं। विश्व के अधिकांश देश स्वीकार करते हैं कि पूरे तरीके से पाकिस्तान आतंकियों का गढ़ बन चुका है। दिग्विजय सिंह ने सोशल मीडिया पर तीखी टिप्पणी करते हुए लिखा कि अमेरिका को भारत और पाकिस्तान के बीच पंचायत करने का कोई हक नहीं है। दिग्विजय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा किपाकिस्तान हमको मारकर चला गया और हमारे मंत्री अमेरिका जाकर रोते रहे। अगर जवाब देना था तो अमेरिका क्यों, पाकिस्तान जाओ। उन्होंने आगे लिखा, कि पाकिस्तान जिस भाषा में समझे, उसी भाषा में समझाना चाहिए- नरेंद्र मोदी, लेकिन मोदी जी की कथनी और करनी में हमेशा फर्क रहा है। यह कोई नई बात नहीं है।

भारतीय सेना ने आतंकियों को मिट्टी में मिलाया: पात्रा

भाजपा ने ऑपरेशन के सफल क्रियान्वयन के लिए भारतीय सशस्त्र बलों के प्रति आभार व्यक्त किया। प्रेस वार्ता में भाजपा सांसद संबित पात्रा ने कहा कि पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों को नष्ट करने में भारत की निर्णायक कार्रवाई ने वैश्विक स्तर पर एक कड़ा संदेश दिया है। पात्रा ने नई दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में संवाददाताओं को जानकारी देते हुए कहा कि 22 अप्रैल से 7 मई तक देश के भीतर तत्काल कार्रवाई की मांग उठ रही थी। संबित पात्रा ने कहा कि मैं एक भारतीय के तौर पर यह प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रहा हूं। पिछले कुछ सालों में भारत ने जिस तरह से आतंकवाद का खात्मा किया है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान जिस तरह से भारत ने पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों को ध्वस्त किया, उससे पूरी दुनिया में एक संदेश गया है। आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में एक निर्णायक संदेश। भारतीय सशस्त्र बलों ने अनुकरणीय साहस दिखाया है। भाजपा और पूरे भारत के सभी कार्यकर्ता हमारी सेना, वायुसेना और नौसेना और उन सभी बहादुर सैनिकों को धन्यवाद देते हैं जिन्होंने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता सुनिश्चित की।

साइबर क्राइम से परेशान हैं लोग सरकार करे नियंत्रण: अखिलेश

बोले- अंतरराष्ट्रीय संबंधों में कोई किसी का स्थायी मित्र नहीं है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा है कि आज लगभग हर हाथ में मोबाइल है। हर तरह के जमीनी, हवाई वाहनों और जलपोतों तक में जीपीएस लगा है और हर तरह की गतिविधि चाहे वो शासनिक-प्रशासनिक हो, बैंकिंग हो या विविध संवेदनशील सूचनाओं का आदान-प्रदान, सब कुछ इंटरनेट पर ही निर्भर है।

ऐसे में कम्युनिकेशन एक बेहद संवेदनशील मुद्दा बन गया है। साइबर क्राइम निरंतर बढ़ रहा है और आम आदमी ठगा जा रहा है। उन्होंने कहा कि तकनीकी सेवाओं पर देश की सरकार का निर्णायक नियंत्रण हर हाल में होना चाहिए ताकि सरकार आपात स्थिति में विदेशी कंपनियों पर तत्काल नियंत्रण कर सके। अखिलेश यादव ने कहा कि वैश्विक संबंध सिर्फ अपने हाथ में नहीं होते हैं, इसीलिए इस क्षेत्र में विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है। अंतरराष्ट्रीय संबंधों में हम कभी ये नहीं कह सकते कि कोई किसी का स्थायी मित्र है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संबंध व्यक्तिगत भी नहीं होते हैं, इसीलिए ऐसे गंभीर मुद्दों पर एहतियात बरतने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि दूसरे देशों से तकनीकी भले ले ली जाए परंतु आत्मनिर्भरता के प्रयास कभी नहीं छोड़ना चाहिए। सपा प्रमुख ने आरोप लगाया कि एक तरफ सरकार अपनी एजेंसियों का दुरुपयोग करके स्थानीय कारोबारियों को परेशान करती है, निवेश करने वालों से कमीशन मांगती है और दूसरी तरफ विदेशी कंपनियों के लिए स्वागत द्वार बनाती हैं। जब तक देश के व्यापारियों के लिए सुरक्षित माहौल नहीं होगा तब तक उत्पादन और रिसर्च एंड डेवलपमेंट का सकारात्मक वातावरण नहीं बनेगा।

ऐसे में हम चीन जैसे देशों से आयात करके अपना धन उन्हें देते रहेंगे। उन्होंने कहा कि अगर हमारे देश की कंपनियां दूसरे देशों की एजेंट बनकर रह गयीं तो ट्रेड भले विकसित हो, लेकिन विकास और उत्पादन क्षमता घटती जाएगी।

सपा प्रमुख ने दी बुद्ध पूर्णिमा की शुभकामनाएं

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने बुद्ध पूर्णिमा पर सभी के सुख समृद्धि की कामना करते हुए कहा है कि भगवान बुद्ध ने विश्व को करुणा, अहिंसा और प्रेम का जो संदेश दिया था, आज उसी का अनुसरण करके ही लोग शांति और खुशहाली पा सकते हैं। उन्होंने कहा, स्मरणीय है, बुद्ध पूर्णिमा के दिन ही गौतम बुद्ध का जन्म हुआ था, इसी दिन उन्हें ज्ञान की प्राप्ति हुई थी और इसी दिन उनका महानिर्वाण भी हुआ था।

पाक के संघर्ष विराम के उल्लंघन का सेना ने दिया मुंहतोड़ जवाब: पाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सांसद जगदंबिका पाल ने पाकिस्तान के साथ चल रहे तनाव पर सरकार का रुख साफ किया। उन्होंने कहा कि भारत-पाकिस्तान के बीच युद्ध विराम पर सहमति बनी थी। लेकिन, कुछ देर बाद ही पाकिस्तान की तरफ से युद्ध विराम का उल्लंघन किया गया। इस पर हमारी सरकार और सशस्त्र बलों ने उन्हें चेतावनी दी और कड़ा जवाब भी दिया।

सांसद जगदंबिका पाल ने आगे कहा कि सरकार ने यह स्पष्ट रूप से कहा है कि यह युद्ध विराम है। लेकिन, यदि कोई आतंकी कार्रवाई होती है तो उसे युद्ध की कार्रवाई माना जाएगा। शनिवार की रात करीब 11.30 बजे के बाद भारत-पाकिस्तान सीमा पर युद्ध विराम है। फिलहाल स्थिति सामान्य है।

पहलगाम में 26 निर्दोष लोगों की हत्या पर प्रधानमंत्री ने साफ कहा था कि हम न केवल आतंकवादियों को मिट्टी में मिलाएंगे। बल्कि, उनके रहनुमाओं को भी ऐसी सजा देंगे, जिसकी कल्पना भी नहीं की जा सकेगी। भारत का यही इरादा भी था। भारतीय सशस्त्र बलों ने अपनी वीरता से इसे पूरा किया। सटीक हमलों में पाकिस्तान के नौ आतंकी शिविरों को ध्वस्त कर दिया गया। अपने बयान में सांसद ने कहा कि इस कार्रवाई में भारतीय सशस्त्र बलों ने किसी भी आम पाकिस्तानी नागरिक को निशाना नहीं बनाया। उधर से लगातार 14 दिन तक एलओसी पर युद्ध विराम का उल्लंघन किया गया। हमारे नागरिक क्षेत्रों और गुरुद्वारों को निशाना बनाया गया। जबकि हमारा उद्देश्य सिर्फ आतंकवादियों का सफाया करना था।

अपनी बंदूकें खामोश करें पाकिस्तान : उमर अब्दुल्ला

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा, पाकिस्तान की तरफ से जम्मू शहर पर ड्रोन से हमले की कोशिश की गई। लेकिन हमारी सुरक्षा बलों ने उनके सारे ड्रोन नाकाम किए, एक भी ड्रोन निशाने पर नहीं पहुंच पाया। पाकिस्तान की तरफ से जो हो रहा है उसमें पाकिस्तान को कोई फायदा नहीं है, न उनकी कोई कामयाबी होगी। बेहतर यही होगा कि वे अपनी बंदूकें खामोश करें।

दिल्ली विस में आप पेश करेगी निंदा और धन्यवाद प्रस्ताव

» नेता प्रतिपक्ष आतिशी ने दी जानकारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष आतिशी ने एक्स पर पोस्ट साझा कर एक अहम जानकारी साझा की है। आतिशी ने एक्स पर लिखा कि 13 मई से शुरू हो रहे दिल्ली विधानसभा के सत्र में आप विधायक दल दो महत्वपूर्ण प्रस्ताव ला रहा है।

आगे लिखा कि पहला निंदा प्रस्ताव है। जिसमें हम जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में निर्दोष नागरिकों पर हुए कायराना आतंकी हमले की कड़ी निंदा करते हैं। हम चाहते है कि मानवता के खिलाफ हुए इस हमले की दिल्ली विधानसभा कड़े शब्दों में निंदा करे। आतिशी ने आगे लिखा कि दूसरा धन्यवाद प्रस्ताव है। ऑपरेशन के तहत आतंकवाद और उसके समर्थकों के खिलाफ भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा छेड़ी गई मुहिम के सम्मान में लाया जा रहा है। हम भारतीय सेना के साहस और उनके परिवारों के त्याग को नमन करते हुए दिल्ली विधानसभा से उन्हें धन्यवाद देने का अनुरोध करते हैं।

दो दिन चलेगा दिल्ली विस का विशेष सत्र

दिल्ली सचिवालय में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में भाजपा विधायक दल की अहम बैठक बीते रविवार को हुई। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि 13 और 14 मई को दिल्ली विधानसभा का विशेष सत्र बुलाया जाएगा। जिसमें प्राइवेट स्कूल फीस नियंत्रण से संबंधित बिल को पेश किया जाएगा।

'नरवाई जलाने पर किसानों पर जुर्माना न किया जाए'

» मप्र के पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह ने सीएम को लिखा पत्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश में नरवाई जलाने के बढ़ते मामलों के बीच, राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र लिखकर किसानों के प्रति सहानुभूति और जागरूकता अभियान चलाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि जुर्माना वसूलने के बजाय किसानों को इस मुद्दे के प्रति जागरूक किया जाए। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि कई किसान बिना जानबूझकर नरवाई जलाने के आरोपों का सामना कर रहे हैं।

सिंह ने यह भी सुझाव दिया कि गर्मी के मौसम में सूखी नरवाई में स्वत: आग लगने की संभावना को ध्यान में रखते हुए, किसानों को इस विषय में जागरूक किया जाए। विदिशा जिले में 722 किसानों पर कुल 26.46 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है और 9 किसानों के खिलाफ एफआईआर भी दर्ज की गई है। यह जुर्माना भूमि के आकार के आधार पर निर्धारित किया गया है। सिंह ने मुख्यमंत्री से आग्रह किया कि जुर्माने की बजाय किसानों में जागरूकता अभियान चलाया जाए ताकि वे इस मुद्दे को समझें और भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचें।

कल कांग्रेस कार्यकर्ताओं को भोपाल में दिखाएंगे फिल्म फुले,जीतू पटवारी, उमंग सिंघार होंगे शामिल

एमपी के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने समाज सुधारक महात्मा ज्योतिबा फुले और सावित्रीबाई फुले के जीवन और विचारों पर बनी फिल्म फुले की स्पेशल स्क्रीनिंग रखी है। इसका आयोजन 13 मई का भोपाल के डीबी मॉल स्थित सिनेप्लेक्स में किया जाएगा। दिग्विजय सिंह के अलावा पीसीसी चीफ जीतू पटवारी, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार सहित अन्य कांग्रेस नेता व पार्टी कार्यकर्ता यहां फिल्म देखेंगे। इस आयोजन का उद्देश्य पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं को फुले के समतावादी विचारों और सामाजिक न्याय के संघर्ष से रूबरू कराना है। दिग्विजय सिंह की इस पहल को सामाजिक परिवर्तन के पुरोधा फुले को वर्तमान राजनीतिक संदर्भ में पुनः स्थापित करने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है। इस आयोजन को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह है। कार्यक्रम को लेकर दिग्विजय सिंह ने कहा कि महात्मा फुले ने उस दौर में समानता, शिक्षा और जातिविहीन समाज का सपना देखा था जब ऐसी बातें सोच पाना भी कठिन था। आज जब समाज में विभाजनकारी शक्तियां सक्रिय हैं, फुले जैसे विचारकों को याद करना और उनकी प्रेरणा लेना पहले से कहीं ज्यादा ज़रूरी है।

जो कभी पत्थर फेंकते थे, वो आज भाजपा में हैं: गडकरी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने एक कार्यक्रम में अपने राजनीतिक सफर की पुरानी बातें साझा कीं। उन्होंने कहा कि जब उन्होंने राजनीति की शुरुआत की थी, तब कुछ लोग उनके घर पर रोज़ पत्थर फेंकते थे, लेकिन समय बदला और आज वही लोग भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए हैं।

गडकरी स्थानीय भाजपा नेता रामदास आंबटकर को श्रद्धांजलि देने पहुंचे थे। इस मौके पर उन्होंने कहा कि कठिन समय में भी भाजपा कार्यकर्ताओं की निष्ठा और मेहनत पार्टी की सबसे बड़ी ताकत है। उ न्होंने आरएसएस के पूर्व सरसंघचालक बालासाहेब देवरस के एक भाषण का हवाला दिया, जिसमें उन्होंने कहा था, दुर्लभ कार्यकर्ता ही संगठन की सबसे बड़ी शक्ति होता है। गडकरी ने कहा कि आरएसएस में बड़ी संख्या में ऐसे समर्पित कार्यकर्ता हैं, जिनकी बदौलत संगठन ने सफलतापूर्वक लगभग 100 वर्ष पूरे किए हैं। उन्होंने कहा कि ये कार्यकर्ता हमेशा अपनी विचारधारा और राष्ट्र को सर्वोपरि रखते हैं। गडकरी ने राजनीति में अपने शुरुआती दिनों को भी याद किया। उन्होंने कहा कि 1975 में जब मैं नागपुर क्षेत्र में भाजपा के लिए काम कर रहा था, तो मेरे इलाके के कुछ लोग अक्सर मेरे घर पर पत्थर फेंकते थे। गडकरी ने कहा कि समय के साथ वही लोग आरएसएस मुख्यालय, डॉ. हेडगेवार स्मृति मंदिर और उनके घर आने लगे तथा उनमें से एक तो बाद में भाजपा का वार्ड अध्यक्ष भी बना।

चालबाज पाक हर कदम पर परास्त

रीयल के साथ रील युद्ध में भी पाकिस्तान हारा

» पाक के दावों की निकली हवा, पाकिस्तानी दावों के सभी वीडियो नकली

» सिर्फ सीमा पर नहीं बल्कि हर मोबाइल स्क्रीन पर भी लड़ा जा रहा है युद्ध

» अमेरिका ने युद्धबंदी के लिए दी चेतावनी

» पाकिस्तानी फेक न्यूज से भारत का उड़ा रहा मजाक

□□□ 4पीएम न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली। पाकिस्तान अपनी चालबाजी से बाज नहीं आ रहा है। भारत उसके हर हमले का मुंहतोड़ जवाब दे रहा है। युद्ध के मैदान में आमने-सामने तो वह लड़ नहीं पा रहा है तो फिदाइन हमले करने की नाकाम कोशिश कर रहा है। हालांकि उसके कायराना हरकत से हमारे कई मासूम लोग अपनी गवां बैठे। इन सबके बीच वह साइबर व सोशल मीडिया पर प्रोपेगेंडा के सहारे भी भारत केबारे में झूठ फैला रही है पर वह उसमे भी औंधे मुंह गिर गया। पाकिस्तान सभी मोर्चों पर विफल हो गया है। जमीन से लेकर आसमान तक पर मार खाने के जब वह रील युद्ध में उतरा तो यहां भी उसे मुँह की खानी पड़ी। पिछले कुछ दिनों से सोशल मीडिया पर भारतीय सेना, सीमा पर तनाव आदि की भ्रामक सूचनाओं की बाढ़ सी आ गयी है।

पाकिस्तान की ओर से तरह—तरह के फर्जी वीडियो जारी किये जा रहे हैं। पाकिस्तान झूठ का साम्राज्य खड़ा करने की लगातार विफल कोशिश कर रहा है। लेकिन भारत रील से लेकर रीयल तक हर स्तर पर पाकिस्तान को पछाड़ रहा है। हाल ही में एक वीडियो जिमसमें सेना के जवानों को रोते हुए दिखाया गया था वह भी फैक्ट चेक के बाद नकली निकला।

भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के बाद सोशल मीडिया पर लगातार फेक न्यूज फैल रही हैं। फैक्ट चेक ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक भ्रामक दावे को खारिज किया है जिसमें दावा किया गया था कि भारत-पाकिस्तान तनाव बढ़ने के कारण भारतीय सैनिक रो रहे हैं और अपने पद छोड़ रहे हैं। पीआईबी ने स्पष्ट किया कि वीडियो में दिखाए गए युवा इंदौर की एक निजी रक्षा कोचिंग संस्थान इंदौर फिजिकल अकादमी के छात्र हैं जो भारतीय सेना में चयनित होने की खुशी में भावुक हो रहे थे। ऐसे ही सोशल मीडिया पर चल रहा है कि भारतीय पोस्ट को तबाह कर दिया गया है। लेकिन यह एक पुराना वीडियो है जिसके लिए पीआईबी फैक्ट चेक ने आगाह किया है। यह वीडियो 15 नवंबर, 2020 को यूट्यूब पर अपलोड किया गया था। पीआईबी फैक्ट चेक ने एक और फेक न्यूज की पोल खोली है। इस खबर में बताया जा रहा था कि जम्मू-कश्मीर में श्रीनगर एयरपोर्ट के पास धमाके हुए हैं। यह अल जजीरा की रिपोर्ट थी। पीआईबी ने ऐसी झूठी खबरों से सावधान रहने की सलाह देते हुए कहा कि केवल आधिकारिक स्रोत पर ही भरोसा बनाए रखें। ऐसे ही जयपुर एयरपोर्ट पर धमाके के दावे झूठे निकले हैं। जयपुर एयरपोर्ट पूरी तरह सुरक्षित है और इसके बारे में जयपुर के डीसी ने भी स्पष्टीकरण जारी किया है। वहीं सोशल मीडिया पर साझा किए गए एक वीडियो में दावा किया जा रहा है कि भारत ने ननकाना साहिब गुरुद्वारे पर ड्रोन हमला किया है। यह दावा पूरी तरह फर्जी है। पीआईबी फैक्ट चेक ने कहा कि सांप्रदायिक विद्वेष फैलाने के लिए ऐसे कंटेंट बनाए जाते हैं। कृपया सतर्क रहें। ऐसे वीडियो फॉरवर्ड न करें।

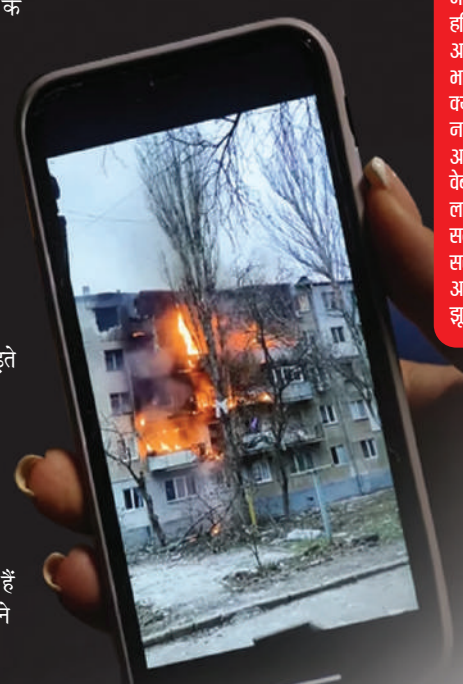

पाकिस्तान के झूठ की खुली पोल

विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने कहा कि पाकिस्तान झूठ और प्रोपेगैंडा फैला रहा है और यह पाकिस्तानी सरकारी एजेंसियों द्वारा फैलाया जा रहा है। पाकिस्तान ने दावा किया है कि हमारे सैन्य ठिकानों को नुकसान पहुंचाया गया, ये सरासर झूठ है। सिरसा, आदमपुर एयरबेस को नुकसान के दावे पूरी तरह से गलत हैं। प्रेस ब्रीफिंग के दौरान इन एयरबेस की तस्वीरें भी दिखाई गईं, जिनमें दिखाई दिया कि वहां सबकुछ सामान्य है।

विदेश सचिव ने कहा कि पाकिस्तान नागरिक ठिकानों को निशाना बना रहा है और खासकर जम्मू और पंजाब में हमले किए गए हैं। आज सुबह भी पाकिस्तान ने राजौरी में गोलीबारी की, जिसमें एक प्रशासनिक अधिकारी की मौत हो गई। साथ ही जालंधर और फिरोजपुर में भी हमले हुए हैं। पाकिस्तान ने दावा किया है कि भारत की तरफ से श्री अमृतसर साहिब की तरफ मिसाइल हमले किए गए, ये बचकाने आरोप हैं और ये और कुछ नहीं बल्कि देश को बांटने की साजिश है।

लोगों को फेंक न्यूज से रहना होगा सतर्क

4पीएम न्यूज नेटवर्क सभी भारतीय नागरिकों से यह अपील करता है कि प्रत्येक व्यक्ति की यह ज़िम्मेदारी है कि वह सोशल मीडिया पर आने वाली किसी भी ब्रेकिंग न्यूज़ या वीडियो को सच मानने से पहले उसकी पुष्टि करें। आज युद्ध केवल सीमा पर नहीं बल्कि मोबाइल स्क्रीन पर भी लड़ा जा रहा है और हमें दोनों मोर्चों पर चौकस रहना होगा।

रील वार पाकिस्तान की नई लेकिन नाकाम रणनीति

जब पारंपरिक युद्ध, कूटनीतिक मोर्चा और आतंकवाद से कोई बड़ी उपलब्धि नहीं मिल पाई, तो पाकिस्तान की सेना और आईएसआई ने सोशल मीडिया को नया हथियार बना लिया है। इसे इसे 5 जनरेशन वारफार कहा जाता है, जिसमें सूचना को हथियार बना कर दुश्मन के अंदर अस्थिरता पैदा की जाती है। लेकिन भारत में यह रणनीति विफल रही क्योंकि भारत की डिजिटल नागरिक चेतना अब पहले से अधिक प्रबल है। फैक्ट-चेकिंग वेबसाइट्स जैसे आल्ट न्यूज, बूम लाइव, पीआईबी फैक्ट चेक आदि ने समय पर सच्चाई उजागर की। सरकार और सेना ने तुरंत आधिकारिक स्पष्टीकरण जारी कर झूठ का पर्दाफाश किया।

भारत पूरी जिम्मेदारी निभाता है : जयशंकर

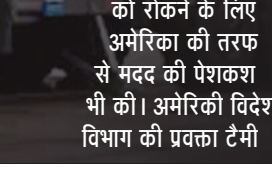

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो से बात करने के बाद कहा कि भारत का दृष्टिकोण हमेशा से ही संतुलित और जिम्मेदाराना रहा है और आगे भी ऐसा ही रहेगा। जयशंकर और रुबियो के बीच फोन पर बातचीत ऐसे समय में हुई जब भारत और पाकिस्तान की सेनाओं ने एक-दूसरे के ठिकानों को निशाना बनाया है और दोनों देशों के मध्य पहले से ही जारी गंभीर टकराव और बढ़ गया है। जयशंकर ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, आज सुबह अमेरिकी विदेश मंत्री रुबियो से बातचीत हुई। भारत का दृष्टिकोण हमेशा से ही संतुलित और जिम्मेदाराना रहा है और आगे भी ऐसा ही रहेगा। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने कहा कि रुबियो ने इस बात पर जोर दिया कि दोनों पक्षों को गलत अनुमान लगाने से बचने के लिए तनाव कम करने और प्रत्यक्ष संवाद को फिर से स्थापित करने के तरीके तलाशने की आवश्यकता है। विदेश विभाग की प्रवक्ता टैमी ब्रूस ने कहा, उन्होंने भविष्य में होने वाले विवादोंको टालने के लिए सार्थक चर्चाओं को सुविधाजनक बनाने में अमेरिका की ओर से समर्थन दिए जाने का प्रस्ताव रखा।

सरकार ने उठाए एहतियाती कदम

एहतियात के तौर पर चारधाम यात्रा के तहत बाबा केदारनाथ जाने वाली सभी हेलीकॉप्टर सेवाओं को बंद कर दिया गया है। सभी हेली सेवाओं को अगले आदेश तक के लिए बंद किया गया है। उत्तराखंड सरकार ने इस संबंध में आदेश भी जारी कर दिये हैं। उत्तराखंड सरकार के आदेश के मुताबिक, केदारनाथ, बद्रीनाथ, गंगोत्री, यमुनोत्री की सारी हेलीकॉप्टर सेवाएं बंद हैं। ये सेवाएं अगले आदेश तक के लिए बंद रहेंगी। चारधाम यात्रा के दौरान हेली सेवाओं को बंद करने का कदम ऐसे समय में उठाया गया है, जब सीमा पर भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है पाकिस्तान की ओर से भारतीय क्षेत्रों पर लगातार हमले किए जा रहे हैं, जिसका भारतीय सेना माकूल जवाब दे रही है।

अमेरिका तनाव रोकने के प्रयास में

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भारतीय विदेश मंत्री सुब्रह्मण्यम जयशंकर से फोन पर बात की है। रुबियो ने दोनों देशों के बीच तनाव कम करने और सीधी बातचीत फिर से शुरू करने की बात कही। साथ ही उन्होंने भविष्य में होने वाले विवादों को रोकने के लिए अमेरिका की तरफ से मदद की पेशकश भी की। अमेरिकी विदेश विभाग की प्रवक्ता टैमी ब्रूस ने बताया कि सेक्रेटरी रुबियो ने इस बात पर जोर दिया कि दोनों पक्षों को तनाव कम करने के तरीके खोजने चाहिए। रुबियो ने यह भी कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच अमेरिका बातचीत को आसान बनाने में मदद कर सकता है। रुबियो और जयशंकर दोनों ही इस बात पर सहमत थे कि बातचीत जारी रखना जरूरी है। इससे पहले रुबियो ने पाकिस्तान के आर्मी चीफ असीम मुनीर से भी बात की।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

पत्रकारों के हितों पर न हो कुठाराघात

लोकतांत्रिक देशों में प्रेस की स्वतंत्रता एक मौलिक जरूरत है। भारत के लिए यह और भी जरूरी है। आज हम एक ऐसी दुनिया में जी रहे हैं, जहाँ अपनी दुनिया से बाहर निकल कर आसपास घटित होने वाली घटनाओं के बारे में जानने का अधिक वक्त हमारे पास नहीं होता। सुप्रीम कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण टिप्पणी में कहा कि पत्रकारों के विरुद्ध सिर्फ इसलिए आपराधिक मामला नहीं दर्ज किया जाना चाहिए क्योंकि उनके लेखन को सरकार की आलोचना के रूप में देखा जाता है। संविधान के अनुच्छेद-19(1)(ए) के तहत पत्रकारों के अधिकार सुरक्षित किए गए हैं। सही मायनों में सुप्रीम कोर्ट ने यह कहकर सत्ताधीशों को आईना ही दिखाया है कि सरकार की रीति-नीतियों व निर्णयों की आलोचना करना पत्रकारों का अधिकार है। यह टिप्पणी उन पत्रकारों के लिये जहां राहतकारी है, वही पत्रकारिता को अधिक निडर, निर्भीक एवं बेवाक तरीके से अपना धर्म को निभाने को प्रेरित करती है। असल में विभिन्न राज्यों में विभिन्न राजनीतिक दलों की सरकारों के खिलाफ मुखर आलोचनात्मक होने पर पत्रकार दमन का शिकार बने हैं।

कई राज्यों में उनकी गिरफ्तारी भी हुई, मारपीट हुई और गंभीर धाराओं में गिरफ्तारी दिखायी गई। कई पत्रकारों के संदिग्ध परिस्थितियों का शिकार बनने की खबरें भी यदा-कदा आती रहती हैं। यहां तक कि कुछ पत्रकारों पर उन धाराओं में मुकदमे दर्ज किये जाते हैं, जो कि राष्ट्र विरोधी तत्वों के खिलाफ दर्ज होते हैं। हद तो तब हो जाती है जब मुकदमें गैरकानूनी गतिविधियां निवारण अधिनियम के तहत भी दर्ज होते हैं। ऐसे मामलों में पत्रकारों की जमानत कराना भी टेढ़ी खीर बन जाती है। निश्चित तौर पर ऐसे कदम पूर्वाग्रह एवं दुराग्रह से प्रेरित होकर ही उठाये जाते हैं। निश्चय ही उन निर्भीक पत्रकारों के लिये सुप्रीम कोर्ट की हालिया टिप्पणी सुकून देने वाली है, जो राजनीतिक दुराग्रह एवं पूर्वाग्रह के शिकार बने हैं। यह एक स्वस्थ, आदर्श एवं जागरूक लोकतंत्र राष्ट्र के लिये अच्छा है कि अदालतें समय-समय पर अभिव्यक्ति की आजादी को संबल प्रदान करते हुए निर्भीक एवं स्वतंत्र पत्रकारिता को बल देती रही है। आजादी के सात दशक बाद भी हमारे राजनेता एवं सरकारें रह-रहकर पत्रकारों को डराने-धमकाने से बाज नहीं आते। हम देश में आम जनमानस को भी इतना जागरूक एवं सतर्क नहीं कर पाये कि वे अपने निष्पक्ष सूचना पाने के अधिकार के प्रति जागरूक हो सकें। यही वजह है कि सच्चाई से पर्दा उठाने की कोशिश में वह निर्भीक पत्रकार के बचाव में खड़े नजर नहीं आते। वे ध्यान नहीं रखते कि उनके हित से जुड़ा कुछ सच सत्ताधीश छुपाना चाहते हैं। निश्चित ही इस निर्णय के बाद उम्मीद की जानी चाहिए कि पत्रकारों को आगे से ऐसी परेशानियों का सामना नहीं करना पड़ेगा।

सही मायनों में सुप्रीम कोर्ट ने यह कहकर सत्ताधीशों को आईना ही दिखाया है कि सरकार की रीति-नीतियों व निर्णयों की आलोचना करना पत्रकारों का अधिकार है। यह टिप्पणी उन पत्रकारों के लिये जहां राहतकारी है, वही पत्रकारिता को अधिक निडर, निर्भीक एवं बेवाक तरीके से अपना धर्म को निभाने को प्रेरित करती है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

उम्दा रक्षा तकनीक से सधा 'ऑपरेशन सिंदूर'

डॉ. शशांक द्विवेदी

भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा बीते 6-7 मई की रात को शुरू किया गया 'ऑपरेशन सिंदूर' एक सटीक सैन्य अभियान था, जिसका उद्देश्य पाकिस्तान और पीओके में आतंकवादी ठिकानों को नष्ट करना था। यह अभियान 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में शुरू किया गया, जिसमें 26 पर्यटक मारे गए थे। ऑपरेशन का प्राथमिक उद्देश्य आतंकी संगठनों के बुनियादी ढांचे को ध्वस्त करना और भारत में भविष्य के हमलों को रोकना था। योजना की शुरुआत पहलगाम हमले के तुरंत बाद हुई, जब प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल को खुफिया एजेंसियों और राष्ट्रीय तकनीकी अनुसंधान संगठन के साथ समन्वय करने का निर्देश दिया। लक्ष्यों की पहचान के लिए सैटेलाइट इमेजरी, मानव खुफिया जानकारी और इंटरसेप्टेड संचार का उपयोग किया गया। ऑपरेशन को गोपनीय और सटीक रखने के लिए केवल शीर्ष सैन्य अधिकारियों और सरकारी नेतृत्व को इसकी जानकारी थी। यह सुनिश्चित किया गया कि हमले आतंकी ठिकानों तक सीमित रहें।

ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सेना, नौसेना, और वायुसेना ने संयुक्त रूप से काम किया, जो 54 वर्षों में पहली बार इतने बड़े पैमाने पर हुआ। भारतीय वायुसेना ने राफेल और मिराज 2000 लड़ाकू विमानों को तैनात किया, जो सटीक हमलों के लिए महत्वपूर्ण थे। थल सेना ने एम777 हल्की होवित्जर तोपों के साथ सहायता प्रदान की, जबकि नौसेना ने समुद्री निगरानी और समर्थन में योगदान दिया। विशेष बलों ने ऑपरेशन से पहले लक्ष्यों की टोह ली और हमलों के बाद नुकसान का आकलन किया। ऑपरेशन के बारे में प्रेस कॉन्फ्रेंस में जानकारी साझा की गई। जिसमें बताया गया कि नौ आतंकी ठिकानों को नष्ट किया गया। खुफिया एजेंसियों, विशेष रूप से रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (रॉ), ने लक्ष्यों का चयन किया, जैसे कि बहावलपुर में जैश-ए-मोहम्मद का मरकज सुभान अल्लाह और मुजफ्फराबाद में सैयदना बिलाल कैंप।

ऑपरेशन में अत्याधुनिक हथियारों और उपकरणों का उपयोग किया गया। भारतीय वायुसेना ने राफेल विमानों से स्कैल्प क्रूज मिसाइलें और हैमर सटीक-निर्देशित बम दागे। स्कैल्प मिसाइलें स्टील्थ तकनीक से लैस थीं, जो रडार से बचकर कम ऊंचाई पर उड़ान भरती हैं और 450 किलोग्राम

वॉरहेड के साथ बंकरों को नष्ट करने में सक्षम हैं। हैमर बमों में जीपीएस और लेजर गाइडेंस सिस्टम था, जो रात और प्रतिकूल मौसम में भी सटीक हमले सुनिश्चित करता है। मिराज 2000 जेट्स ने स्पाइस 2000 और पोपआई बमों का उपयोग किया, जबकि एम777 होवित्जर तोपों से एक्सकैलिबर 155 मिमी सटीक-निर्देशित गोले दागे गए। आत्मघाती ड्रोन, जैसे स्काईस्ट्राइकर लॉइटरिंग म्युनिशन, ने छोटे लेकिन महत्वपूर्ण लक्ष्यों को नष्ट किया। मेटियोर मिसाइलों ने हवाई सुरक्षा सुनिश्चित की। इन हथियारों ने भारत की सैन्य तकनीक में उन्नति को प्रदर्शित किया, जो 2019 के बालाकोट हमले की तुलना में अधिक सटीक और प्रभावी थी। ड्रोन और सैटेलाइट तकनीक ने ऑपरेशन सिंदूर में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। हेरॉन ड्रोन ने रीयल-टाइम सर्विलांस और माइक्रो-म्युनिशन हमलों में योगदान दिया। स्काईस्ट्राइकर जैसे कामिकेज ड्रोन ने लक्ष्यों पर लंबे समय तक मंडराकर सटीक हमले किए। सैटेलाइट इमेजरी ने लक्ष्यों की सटीक स्थिति और नुकसान के आकलन में मदद की। थर्मल इमेजिंग और इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल/इन्फ्रारेड सिस्टम ने रात के ऑपरेशन को संभव बनाया। ड्रोन ने 100 किलोमीटर की गहराई तक प्रवेश किया, जिससे पाकिस्तानी रडार को चकमा देने में मदद मिली। सैटेलाइट डेटा ने हमलों के बाद मरकज सुभान अल्लाह जैसे ठिकानों के पूर्ण विनाश की पुष्टि की। ऑपरेशन की कमान एनएसए अजीत डोभाल ने संभाली, जो तीनों सेनाओं के साथ समन्वय में थे। पीएम मोदी ने ऑपरेशन की निगरानी की और अंतिम स्वीकृति दी। एक छोटी, गोपनीय टीम ने लक्ष्यों की निगरानी और सर्विलांस किया। कमांड सेंटर ने रीयल-टाइम डेटा और ड्रोन फुटेज का उपयोग करके हमलों को सिंक्रनाइज किया।

विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने 13 देशों के राजदूतों को ऑपरेशन की जानकारी दी, जिससे भारत की कूटनीतिक पारदर्शिता प्रदर्शित हुई। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने तीनों सेना प्रमुखों के साथ समीक्षा की। यह प्रणाली भारत की सैन्य और कूटनीतिक समन्वय की परिपक्वता को दर्शाती है। ऑपरेशन सिंदूर ने कई भू-राजनीतिक और भौगोलिक चुनौतियों का सामना किया। पाकिस्तान की परमाणु क्षमता और चीन का समर्थन एक जटिल भू-राजनीतिक स्थिति पैदा करता है।

मुस्लिम देशों में अलग थलग पड़ता पाक

पुष्परंजन

चाड के राजनयिक हिसेन ब्राहिम ताहा, 57 देशों वाले इस्लामिक सहयोग संगठन (ओआईसी) के 12वें महासचिव हैं। 17 नवम्बर, 2021 से वो इस पद को सम्हाल रहे हैं। ताहा, तुर्किये के राष्ट्रपति रिज़प तैय्यप एर्दोआन के 'यस मैन' माने जाते हैं। ताहा की आत्मा, तुर्की और एर्दोआन में बसी रहती है। वर्ष 1969 में अपनी स्थापना के बाद से तुर्की, इस्लामिक सहयोग संगठन में एक प्रमुख खिलाड़ी की भूमिका में रहा है। ओआईसी के कई सारे सदस्य मानते हैं, कि तुर्की इस मंच का दुरुपयोग कर रहा है। न्यूयार्क से जारी अपने बयान में, ओआईसी ने दोनों पक्षों के बीच मतभेदों को 'अंतर्राष्ट्रीय कानून और संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुसार शांतिपूर्ण तरीकों से' हल करने का भी आह्वान किया। लेकिन, भारत ने इसे खारिज करते हुए कहा, कि यह दो देशों के बीच का मामला है, इसमें आपकी नसीहत की ज़रूरत नहीं।

पाकिस्तान की पीठ पर हाथ रखकर एर्दोआन जो दाव चल रहे हैं, उससे पूरी दुनिया वाकिफ है। विगत 56 वर्षों से शह-मात का यह खेल चल रहा है। वर्ष 1969 में मोरक्को के किंग हसन द्वितीय ने रबात में 1969 के शिखर सम्मेलन के लिए भारत सरकार को आमंत्रित किया। लेकिन, पाकिस्तान के तत्कालीन शासक जनरल याह्या खान द्वारा, बैठक से बाहर निकलने की धमकी दिए जाने के बाद, शाह हसन द्वितीय ने भारतीय प्रतिनिधियों से बैठक में शामिल न होने का अनुरोध किया। पाकिस्तान, तेहरान में ओआईसी 1994 सम्मेलन के दौरान, सदस्य देशों को 'कश्मीर पर ओआईसी संपर्क समूह' बनाने के लिए राजी करने में सफल रहा। इस्लामी सहयोग संगठन के विदेश मंत्रियों की परिषद का 46वां सत्र 1 और 2 मार्च, 2019 को अबू धाबी में आयोजित किया गया था। तब तत्कालीन विदेश मंत्री सुषमा स्वराज को संयुक्त अरब अमीरात के उनके समकक्ष शेख अब्दुल्ला बिन जायद अल नाहयान द्वारा उद्घाटन समारोह को संबोधित करने के लिए 'विशिष्ट अतिथि' के रूप में आमंत्रित किया गया था। तब पाकिस्तान को शदीद मिर्ची लगी।

पाकिस्तान ने भारत द्वारा अपने हवाई क्षेत्र के उल्लंघन का हवाला देते हुए उसे शिखर सम्मेलन से निष्कासित करने की मांग की। ओआईसी ने पाकिस्तान के अनुरोध पर कश्मीर संपर्क समूह की आपातकालीन बैठक बुलाई, यह बैठक 26 फरवरी, 2019 को हुई। हालांकि, ओआईसी ने भारत द्वारा पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र के उल्लंघन की निंदा की, लेकिन, यूएई ने भारत को निमंत्रण वापस करने से इनकार कर दिया। सुषमा स्वराज उस मंच पर गयी, और अपने ओजपूर्ण भाषण से पाकिस्तान को एक्सपोज़ किया। सभी सदस्य इस बात पर सहमत हुए, कि आतंकवाद को बढ़ाया जाना दक्षिण एशिया के लिए खतरनाक है। ओआईसी के मंच पर यह पाकिस्तान की पहली हार थी। इमरान खान के समय सऊदी अरब से भी ठन गई, जो ओआईसी का दबंग देश है। जेद्दा में ओआईसी का मुख्यालय सऊदी खर्चे पर ही चल रहा है। अन्य कई पूर्वाग्रहों के अलावा पाकिस्तान, सऊदी से इस बात पर भी खार खाये था, कि कश्मीर मुद्दे पर वो खुलकर उसका समर्थन नहीं कर रहा। शाह महमूद कुरैशी सऊदी अरब से तपे हुए थे। उन्होंने आरोप लगाया कि क्वालालम्पुर सम्मेलन में जाने से हमें रियाद ने रोका था।

फाइनेंशियल टाइम्स अखबार के अनुसार, कुरैशी की टिप्पणियों से सऊदी अरब के अधिकारी भड़क गए, जो ओआईसी के मामलों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, उसने 3?.2 बिलियन डॉलर की तेल ऋण सुविधा को रोक दिया, और पाकिस्तान से 3 बिलियन डॉलर के ऋण का कुछ हिस्सा चुकाने की मांग की। सिर्फ इतने भर से पाकिस्तान की हवा निकल गई। उन दिनों इमरान खान पाकिस्तान के प्रधानमंत्री थे। शाह महमूद कुरैशी ने एक ब्रॉडकास्टर के ज़रिये बयान दिया, 'मैं एक बार फिर सम्मानपूर्वक ओआईसी से कह रहा हूं कि विदेश मंत्रियों की परिषद की बैठक हमारी अपेक्षा है कि कश्मीर पर बैठक बुलाएँ। हमारी अपनी संवेदनशीलताएं हैं। खाड़ी देशों को यह समझना चाहिए।' वर्ष 1994 में कश्मीर पर जो ओआईसी संपर्क समूह बनाया गया था, उसमें सऊदी अरब, तुर्की, पाकिस्तान, अजरबैजान और नाइजर शामिल रहे हैं। बाद में सऊदी अरब, नाइज़र और अजरबैजान इस मुद्दे पर मौन रह गए। संपर्क समूह, ओआईसी सदस्यों के बीच बढ़ते सहयोग, कश्मीरी लोगों का तथाकथित स्वशासन और स्वायत्तता को समर्थन करने पर जोर देता था।

पाकिस्तानी प्रशासन की हमेशा से यह हठधर्मिता रही है, कि इस मामले को संयुक्त राष्ट्र के रेज़ोल्यूशन के अनुसार कश्मीर का भविष्य तय किया जाना चाहिए। दरअसल, 1964, 1972, 1999 और 14 से 16 जुलाई, 2001 तक आहूत आगरा शिखर सम्मेलन में भी कश्मीर समस्या का समाधान पकिस्तान ने होने नहीं दिया। वाशिंगटन स्थित वुडरो विल्सन सेंटर फॉर स्कॉलर्स के दक्षिण एशिया विशेषज्ञ माइकल कुगेलमैन एक ईमेल के ज़रिये रिएक्ट करते हैं, 'पाकिस्तान के पास वास्तव में कश्मीर पर कोई योजना नहीं है। यह पिछले कई वर्षों से कूटनीतिक आक्रमण कर रहा है, लेकिन ऐसे देश के लिए बिल्कुल नई बात नहीं है। पाकिस्तान लंबे समय से वैश्विक मंचों पर कश्मीर मुद्दे को आगे बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। इससे एक स्वाभाविक प्रश्न उठता है, यदि अंतर्राष्ट्रीय कूटनीतिक अभियान सफल नहीं होता है, तो इसकी दूसरी योजना क्या है?' विशेषज्ञों का यह भी कहना है, कि कश्मीर पर पाकिस्तान की विदेश नीति में स्पष्टता का अभाव है।

मानसून में इन चीजों को खाने से बीमारियां रहेंगी दूर

मानसून न केवल गर्मी से राहत दिलाता है, बल्कि लोग इस मौसम कई तरह के व्यंजनों का आनंद लेते हैं। हालांकि सेहत के लिहाज से यह मौसम सही नहीं माना जाता है। अगर आप मानसून में स्वस्थ रहना चाहते हैं, तो आप अपनी डाइट में कुछ आयुर्वेदिक चीज़ों को शामिल कर सकते हैं। जिससे इम्यून सिस्टम मजबूत होता है और आप कई तरह की बीमारियों से बच सकते हैं।

नीम

भले ही नीम का स्वाद कड़वा होता है। इसमें माइक्रोबियल गुण पाए जाते हैं। जो बारिश के मौसम में स्किन की देखभाल करने में मदद करते हैं। नीम के पत्ते में एंटिफंगल गुण पाए जाते हैं। आप नीम की चाय या नीम की पत्तियां भी चबा सकते हैं। इससे आप स्वस्थ रहेंगे। नीम के बहुत-से अविश्वसनीय लाभ हैं, उनमें से सबसे खास है - यह कैंसर-कोशिकाओं को नष्ट कर देता है। हर किसी के शरीर में कैंसर वाली कोशिकाएं होती हैं, लेकिन वे एक जगह नहीं होतीं, हर जगह बिखरी होती हैं। किसी वजह से अगर आपके शरीर में कुछ खास हालात बन जाते हैं, तो ये कोशिकाएं एकजुट हो जाती हैं।

लेमनग्रास

लेमनग्रास में एंटीबैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं। आप चाय में इसे शामिल कर सकते हैं। इससे आपकी इम्युनिटी तेज होती है। मानसून के दौरान आम बीमारियों से बचाने में लेमनग्रास मदद कर सकता है। कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित रखने में लेमन ग्रास अहम भूमिका निभा सकती है। इस बात की पुष्टि दो अलग-अलग शोध से होती है। लेमन ग्रास का सेवन अपच, गैस्ट्रिक की समस्या व पेट संबंधित अन्य परेशानियों से राहत दिलाने के साथ पेट की अंदरूनी दीवारों को सुरक्षा प्रदान कर सकता है। साथ ही, पाचन को दुरुस्त करने में भी सहायक हो सकता है।

गिलोय

मानसून में आफ संक्रमण से बचना चाहते हैं, तो गिलोय का काढ़ा पी सकते हैं या इसके पाउडर का भी उपयोग कर सकते हैं। जो संक्रमण से लड़ने में मदद करता है। गिलोय में बुखार कम करने वाले गुण होते हैं। यह फ्लू जैसे लक्षणों को कम करने में मदद कर सकता है।

स्ट्रीट फूड से बचें

स्ट्रीट फूड कई लोगों के लिए मुख्य भोजन है, लेकिन मानसून के दौरान यह विशेष रूप से खतरनाक होता है। मौसमी नमी और बारिश के पानी के संपर्क में आने से बैक्टीरिया और अन्य रोगजनकों के लिए उन्हें दूषित करना आसान हो जाता है।

अश्वगंधा

अश्वगंधा को विथानिया सोम्नीफेरा के नाम से भी जाना जाता है, इसमें इम्यून-मॉड्यूलेटिंग गुण होते हैं, जो इम्यून सिस्टम को मजबूत करने में मदद कर सकते हैं। मानसून की डाइट में आप अश्वगंधा जरूर शामिल करें। यह जादुई जड़ी बूटी मस्तिष्क को शांत करने, सूजन को कम करने और ब्लड प्रेशर को कम करने में मदद कर सकती है। अश्वगंधा मानव शरीर को विभिन्न तरीकों से लाभ पहुंचाता है और आयुर्वेद में इस जड़ी-बूटी को बहुत महत्वपूर्ण माना गया है।

अदरक

अदरक में विटामिन-सी, कैल्शियम, फॉस्फोरस, आयरन, एंटीवायरल और एंटीऑक्सिडेंट गुण पाए जाते हैं। मानसून में आप अपनी डाइट में अदरक जरूर शामिल करें। आप अदरक की चाय, सूप या इसे सब्जी में शामिल कर खा सकते हैं। अगर आपको एक्सरसाइज करने से मांसपेशियों में दर्द हो रहा है तो अदरक के इस्तेमाल से इसमें राहत मिल सकती है। प्रतिदिन 2 ग्राम अदरक के सेवन मांसपेशियों के दर्द को कम किया जा सकता है।

हंसना मना है

पति बाल कटवाकर घर आया। पति: देखो, मैं तुमसे दस साल छोटा लगता हूं कि नहीं? पत्नी: मुंडन करवा लेते तो लगता जैसे अभी पैदा हुए हो।

अगर आपका बेटा हैलो हैलो करते हुए, रूम से बाहर निकल जाए, तो समझ जाना की, आपकी होने वाली बहु का फोन है!

एलकेजी के बच्चे के पेपर में 0 आया। गुस्से से पिता: यह क्या है? बच्चा: पिताजी, शिक्षक के पास स्टार खत्म हो गए थे, इसलिये उसने मून दे दिया।

एक इंसान (दूसरे इंसान से)-आ जाओ, कुत्ते से डरो नहीं। पहला व्यक्ति-'क्यों, आपका कुत्ता काटता नहीं? दूसरा व्यक्ति- यही देखने के लिए तो आपको बुलाया है।

मोन्टू: तुम्हारी आंख क्यों सूजी हुई है? बन्टू: कल मैं अपनी पत्नी के जन्मदिन पर केक लेकर गया था मोन्टू: लेकिन इसका आंख सूजने से क्या संबंध है? बन्टू : मेरी पत्नी का नाम तपस्या है, लेकिन बेवकूफ दुकानदार ने लिख दिया समस्या?

मोटू-तुम्हारी दादी हर समय बैठी रामायण पढ़ती रहती हैं? छोटू- हां, वह अपनी अन्तिम परीक्षा की तैयारी कर रही हैं।

कहानी | सेवाभाव में स्नेह के आंसू

बीबी जी! सब्जी ले लो। बताओ क्या-क्या तोलना है? कई दिनों से आपने सब्जी नहीं खरीदी मुझसे! मैं नीचे आती हूं। बोली- भैया! तुम हमारे घर की घंटी मत बजाया करो। हमें सब्जी की जरूरत नहीं है। सब्जीवाला- कैसी बात कर रही हैं बीबी जी! सब्जी खाना तो सेहत के लिए बहुत जरूरी होता है। किसी और से लेती हो क्या सब्जी? नहीं भैया! उनके पास अब कोई काम नहीं है। किसी तरह से हम लोग अपने आप को जिंदा रखे हुए हैं। जब सब ठीक हो जाएगा, घर में कुछ पैसे आएंगे, तो तुमसे ही सब्जी लिया करूंगी। तुम घंटी बजाते हो तो उन्हें बहुत बुरा लगता है! उन्हें अपनी मजबूरी पर गुस्सा आने लगता है। इतना कहकर महिला अपने घर में वापिस जाने लगी। बहन जी! तनिक रुक जाओ। हम इतने बरस से आपको सब्जी दे रहे हैं। जब तुम्हारे अच्छे दिन थे, तब तुमने हमसे खूब सब्जी और फल लिए थे। अब अगर थोड़ी-सी परेशानी आ गई है, तो क्या हम तुमको ऐसे ही छोड़ देंगे? सब्जी वाले हैं! कोई नेता जी तो है नहीं कि वादा करके छोड़ दें। सब्जी वाले ने एक थैली के अंदर टमाटर, आलू, प्याज, घीया, कद्दू और करेले डालने के बाद धनिया और मिर्च भी उसमें डाल दिया। महिला हैरान थी! उसने तुरंत कहा- भैया! तुम मुझे उधार सब्जी दे रहे हो, कम से कम तोल तो लेते और मुझे पैसे भी बता दो। मैं तुम्हारा हिसाब लिख लूंगी। जब सब ठीक हो जाएगा तो तुम्हें तुम्हारे पैसे वापस कर दूंगी। वाह! ये क्या बात हुई भला? तोला तो इसलिए नहीं है कि कोई मामा अपने भांजी-भांजे से पैसे नहीं लेता हैं और बहिन! मैं कोई अहसान भी नहीं कर रहा हूं। ये सब तो यहीं से कमाया है, इसमें तुम्हारा हिस्सा भी है। गुड़िया के लिए ये आम रख रहा हूं, और भांजे के लिए मौसमी। बच्चों का खूब ख्याल रखना, ये बीमारी बहुत बुरी है और आखिरी बात भी सुन लो! घंटी तो मैं जब भी आऊंगा, जरूर बजाऊंगा। इतना कहकर सब्जी वाले ने मुस्कुराते हुए दोनों थैलियां महिला के हाथ में थमा दीं। महिला की आंखें मजबूरी की जगह स्नेह के आंसुओं से भरी हुईं थीं।

7 अंतर खोजें

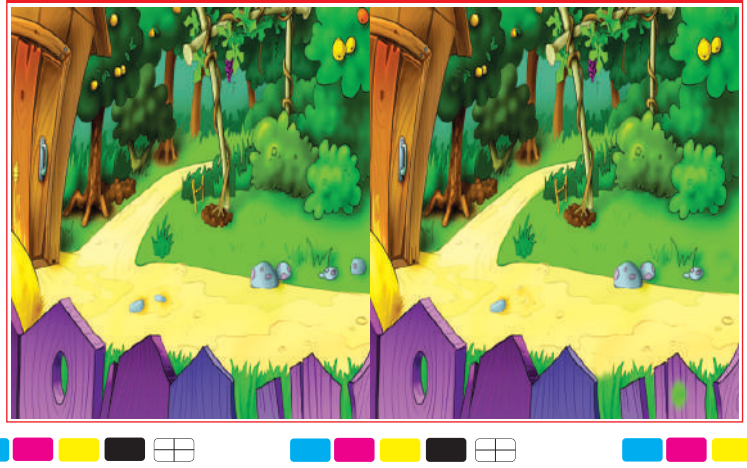

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। निवेश के सुखद परिणाम आएंगे। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। भाग्य का साथ मिलेगा।

वृषभ अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें। दूसरों से अपेक्षा पूर्ण नहीं होने से खिन्नता रहेगी। कार्य में विलंब होगा। व्यस्तता रहेगी।

मिथुन पुराने शत्रु परेशान कर सकते हैं। थकान व कमजोरी रह सकती है। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। निवेश शुभ रहेगा।

कर्क नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। कारोबार में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। नए व्यापारिक अनुबंध होंगे। धनार्जन होगा।

सिंह कुसंगति से हानि होगी। पूजा-पाठ में मन लगेगा। कोर्ट व कचहरी के कार्य अनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। परिवार के साथ समय अच्छा व्यतीत होगा।

कन्या वाहन व मशीनरी आदि के प्रयोग में सावधानी रखें, विशेषकर स्त्रियां रसोई में ध्यान रखें। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। किसी व्यक्ति से बेवजह विवाद हो सकता है।

तुला शत्रु परास्त होंगे। कोर्ट व कचहरी के कार्य मनोनुकूल रहेंगे। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। सुख के साधन जुटेंगे। कारोबार में वृद्धि होगी। निवेशादि शुभ रहेंगे।

वृश्चिक लेन-देन में जल्दबाजी न करें। किसी अपरिचित पर अतिविश्वास न करें। आय में वृद्धि होगी। भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। कोई बड़ा लाभ हो सकता है।

धनु किसी गलती का खामियाजा भुगतना पड़ सकता है। जल्दबाजी व लापरवाही न करें। अज्ञात भय सताएगा। पुराना रोग उभर सकता है। भागदौड़ रहेगी।

मकर पुराना रोग उभर सकता है। किसी बड़ी समस्या से सामना हो सकता है। लेन-देन में विशेष सावधानी रखें। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। चिंता तथा तनाव रहेंगे।

कुम्भ प्रयास सफल रहेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पराक्रम बढ़ेगा। आय में वृद्धि होगी। पराक्रम बढ़ेगा। किसी बड़े काम को करने में रुझान रहेगा। चोट व रोग से बचें।

मीन शुभ समाचार प्राप्त होंगे। घर में मेहमानों का आगमन होगा। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। विवेक से कार्य करें। विरोधी सक्रिय रहेंगे। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा।

बॉलीवुड | मन की बात

हम तो भांड हैं, भांड का काम है लोगों को हंसाना और खुश करना : नवाजुद्दीन

नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने हाल ही में एक इंटरव्यू में ऐसा बयान दिया है, जो खूब सुर्खियां बटोर रहा है। उन्होंने कहा कि शादियों में अभिनेताओं का नाचना कोई गलत बात नहीं है, क्योंकि हम सब भांड ही हैं। नवाज ने यह बात मजाकिया अंदाज में कही थी, लेकिन उनके इस बयान ने सोशल मीडिया पर बहस छेड़ दी है। कुछ लोग उनकी बात से सहमत हैं, तो कुछ इसे गलत मान रहे हैं। 'हमारा काम ही एंटरटेन करना है' नवाज ने रेडियो नशे को दिए इंटरव्यू में कहा, अभिनेता का काम लोगों का मनोरंजन करना है, चाहे वह पर्दे पर हो या शादी के मंच पर। अगर कोई शादी में नाचता है, तो इसमें क्या बुराई है? हम तो भांड हैं, और भांड का काम है लोगों को हंसाना और खुश करना। उन्होंने आगे मजाक में कहा कि अगर उन्हें नाचना आता, तो वह भी शादियों में परफॉर्म करते। नवाज का यह बयान उनके बेबाक अंदाज को दिखाता है, जो हमेशा से उनकी पहचान रहा है। नवाज के इस बयान के बाद सोशल मीडिया पर लोग दो हिस्सों में बंट गए। कुछ फैंस ने उनकी ईमानदारी और मजाकिया अंदाज की तारीफ की। एक यूजर ने लिखा, नवाज भाई ने सच बोला, अभिनेता का काम ही मनोरंजन है। वहीं, कुछ लोगों ने इसे अभिनेताओं की गरिमा के खिलाफ बताया। एक यूजर ने लिखा, शादी में नाचना और सिनेमा में अभिनय अलग बात है, इसे भांड कहना ठीक नहीं। यह बहस दर्शाती है कि नवाज का बयान कितना प्रभावशाली रहा। नवाजुद्दीन सिद्दीकी बॉलीवुड के उन अभिनेताओं में से हैं, जिन्होंने अपनी मेहनत और टैलेंट से जगह बनाई। गैंग्स ऑफ वासेपुर, मांझी: द माउंटेन मैन, और सेक्रेड गेम्स जैसी परियोजनाओं में उनके अभिनय ने उन्हें आलोचकों और दर्शकों का प्यार दिलाया। हाल ही में वह अपनी नई फिल्म अद्भुत की शूटिंग में व्यस्त हैं, जो एक थ्रिलर ड्रामा है। इस फिल्म में डायना पेंटी और श्रेया धनवंतरी भी हैं, और इसे जल्द रिलीज करने की योजना है। नवाज का यह बयान उस समय आया, जब कुछ अभिनेताओं के शादियों में परफॉर्म करने पर सवाल उठे थे। उनके इस मजाकिया अंदाज ने एक बार फिर उनके बिंदास व्यक्तित्व को सामने ला दिया।

शाहिद कपूर ने फिल्म फर्जी 2 के लिए वसूली मोटी रकम

बॉलीवुड | गपशप

शाहिद कपूर बॉलीवुड के मोस्ट टैलेंटेड एक्टर्स में से एक हैं। तमाम ब्लॉकबस्टर फिल्म देने के बाद उन्होंने ओटीटी पर भी फर्जी से धमाल मचा दिया था। वहीं एक्टर अब अपने मच अवेटेड फर्जी सीक्वल में वापसी करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। खबरें हैं कि एक्टर ने फर्जी 2 से अपने करियर की अब तक की सबसे मोटी फीस वसूली है। चलिए जानते हैं शाहिद कपूर ने फर्जी 2 के लिए कितना चार्ज किया है।

बता दें कि शाहिद कपूर ने साल 2023 में हिट अमेजॉन प्राइम वीडियो सीरीज़ के साथ अपना ओटीटी डेब्यू किया था। अब वे फिर से फर्जी-2 में अपनी भूमिका को दोहराते नजर आएंगे। इस सीरीज को एक बार फिर राज और डीके द्वारा निर्देशित किया जाएगा। इन सबके बीच पिंकविला की एक रिपोर्ट के मुताबिक शाहिद को फर्जी के दूसरे सीजन के लिए 45 करोड़ रुपये बतौर फीस दी जा रही।

शाहिद के अभिनय करियर की ये अब तक की सबसे मोटी फीस है। रिपोर्ट के मुताबिक सूत्र ने कहा कि शाहिद आमतौर पर प्रति फिल्म 25 से 30 करोड़ रुपये के बीच चार्ज करते हैं, लेकिन वह डिजिटल प्रोजेक्ट्स के लिए अलग फीस स्ट्रक्चर पर बातचीत करते हैं।

फर्जी 2 कब होगी रिलीज?

रिपोर्ट में कहा गया है कि फर्जी-2 के 2025 के अंत तक फ्लोर पर आने की उम्मीद है। राज और डीके फिलहाल अपने आगामी प्रोजेक्ट रक्त ब्रह्मांड में व्यस्त हैं, अपनी पहले की कमिटमेंट्स के पूरा होने के बाद वे फर्जी के सीक्वल के लिए प्री-प्रोडक्शन शुरू करेंगे। रिपोर्ट के मुताबिक सूत्रों ने ये भी बताया है कि फर्जी-2 की कोर प्लॉटलाइन पर शाहिद कपूर के साथ पहले ही चर्चा हो चुकी है। दूसरे सीजन में कथित तौर पर शाहिद, विजय सेतुपति और के के मेनन के बीच एक हाई-स्टेक फेस-ऑफ दिखाया जाएगा। बता दें कि फर्जी सीक्वल 2026 के सेकेंड हाफ में रिलीज होने की उम्मीद है।

बता दें कि फर्जी को पिछले साल अमेज़न प्राइम वीडियो पर रिलीज किया गया था। अपनी एंटरटेनिंग स्टोरी और स्टार कास्ट की परफॉर्मेंस से लिए इसकी खूब तारीफ हुई थी। शो में विजय सेतुपति, राशि खन्ना, भुवन अरोड़ा और काव्या थापर ने भी अहम भूमिकाएं निभाईं थी।

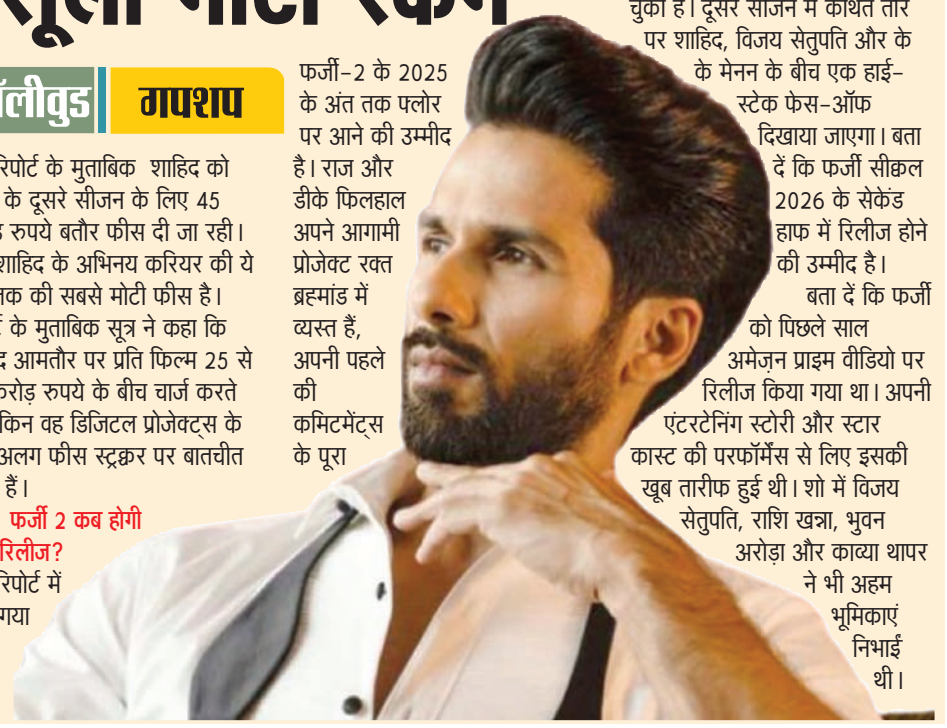

न्यूज चैनल्स की गलत रिपोर्टिंग पर भड़के मुनव्वर फारूकी

ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव लगातार बढ़ता ही जा रहा है। हालांकि इंडियन आर्मी पाकिस्तान के हर एक्शन का मुंहतोड़ जवाब दे रही है। इसी बीच फेमस कॉमेडियन और बिग बॉस 17 विनर मुनव्वर फारूकी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर की। जिसमें वो न्यूज चैनल्स पर अपना गुस्सा निकालते हुए नजर आए। मुनव्वर फारूकी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक स्टोरी शेयर की है। इसमें उन्होंने कुछ न्यूज चैनल्स पर अपनी जमकर भड़ास निकाली। मुनव्वर ने लिखा कि, 'इंडिया में कोई सबसे बुरी चीज है, तो वो हमारे न्यूज चैनल्स हैं। उन प्राइम न्यूज चैनल्स को शर्म आनी चाहिए, जो ऐसे नाजुक हालातों में लोगों को गलत जानकारी दे रहे हैं।' कॉमेडियन की ये पोस्ट अब तेजी से वायरल भी हो रही है।

जवानों के लिए मुनव्वर ने मांगी थी दुआ

वहीं इससे पहले भी मुनव्वर ने एक स्टोरी शेयर की थी। जिसमें उन्होंने लिखा था कि हम इसलिए महफूज हैं, क्योंकि हमारे लिए कोई सरहद पर खड़ा है, इस वक्त हम सबका साथ रहना और एक दूसरे का साथ देना जरूरी है। आपस में लड़ना या किसी को दोष देना एकदम फिजूल है। हमे उस सिपाही के लिए दुआ करनी चाहिए, जिसको उनकी मां बड़ा दिल करके सरहद पे भेजा है। भारतीय सेना जिंदाबाद, हिंदुस्तान आबाद रहे।

भारत ने लिया पहलगाम अटैक का बदला

बता दें कि 22 अप्रैल को जम्मू के पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले का बदला भारत ने ऑपरेशन संदूर से लिया था। जिसमें पाकिस्ताना के 9 आतंकवादी ठिकानों को निशाना बनाया गया था। इसके बाद से पाक लगातार भारत हमले कर रहे हैं। जिनका मुहतोड़ जवाब भारतीय सेना दे रही है। लेकिन इस वक्त दोनों देशों के बीच हालात बहुत नाजुक है।

अजब-गजब | दुनिया का सबसे महंगा स्कूल

इन स्कूलों में एक साल की फीस चुकाने में कम पड़ जाएगी जिंदगीभर की जमापूंजी!

हर मां-बाप अपने बच्चों को अच्छे से अच्छे स्कूल में पढ़ाना चाहते हैं। वे अपने बच्चे के लिए न सिर्फ अच्छा स्कूल तलाशते हैं बल्कि उनकी खोज इस बात के लिए भी होती है कि उनकी इनकम के मुताबिक ही स्कूल की फीस हो। हमारे देश के छोटे शहरों में भले ही स्कूलों की फीस कुछ हजार रुपये तक हो लेकिन आज हम आपको दुनिया के कुछ ऐसे स्कूलों के बारे में बताने जा रहे हैं जहां की फीस सुनकर यकीनन आप हैरान हो जाएंगे।

इन स्कूलों की फीस इतनी है कि आपकी जिंदगीभर की जमापूंजी भी एक साल की फीस के लिए कम पड़ जाएगी। हम बात कर रहे हैं स्विट्जरलैंड की खूबसूरत वादियों में मौजूद सभी स्कूलों के बारे में। यहां के स्कूलों को यूरोप के सबसे महंगे स्कूलों में गिना जाता है। जिनकी सालभर की फीस 56 लाख रुपये से शुरु होती है। इनमें से सबसे महंगा स्कूल इंस्टीट्यूट ले रोसेय है, जो यहां का सबसे मशहूर और पुराना स्कूल है। इस स्कूल की खास बात यह है कि यहां से स्पेन, इजिप्ट, बेल्जियम, ईरान और ग्रीस के राजाओं ने अपनी स्कूली शिक्षा पूरी की थी।

बता दें कि इस स्कूल को पॉल कर्नल ने साल 1880 में बनवाया था। इस स्कूल में यूरोप और दुनियाभर के अमीर परिवारों के बच्चे पढ़ते हैं। यहां हर बच्चे की सालाना फीस लगभग 130,000 यानी करीब 98 लाख रुपये से भी ज्यादा। दो कैंपस वाला यह दुनिया का अकलौता बोर्डिंग स्कूल है जो किसी प्राइवेट रिजॉर्ट से कम नहीं है। इस स्कूल में टेनिस कोर्ट, शूटिंग रेंज, एक्वेस्ट्रेन सेंटर और 40 द्धद्दद्यद्धश्च यानी करीब 400 करोड़ रुपये की लागत से बना हुआ कॉन्सर्ट हॉल जैसी कई सविधाएं बच्चों को उपलब्ध कराई जाती है। वहीं स्कूल के विंटर कैंप में स्कीइंग की अलग से सुविधा दी गई है।

सभी तरह की सुख-सुविधाओं वाला इस स्कूल टीचर्स की भी कमी नहीं है। इस स्कूल में कुल 420 छात्रों को पढ़ाने के लिए 150 टीचर रखे गए हैं। यानी औसतन एक क्लास में 10 छात्रों से भी कम संख्या रहती है, ताकि टीचर सभी पर बराबर ध्यान दे सकें। इसके साथ ही स्कूल में 30 सीटें यहां के टीचर्स के बच्चों के लिए रिजर्व रखी जाती है। जिनमें से 3 को हर साल स्कॉलरशिप भी दी जाती है।

न सड़ती न घुन लगती, इस लकड़ी से बने घर के आगे सीमेंट की मजबूती भी है फेल

जब बात मजबूत घरों की होती है, तो आज भी छतरपुर जिले के ग्रामीण इलाके महुआ लकड़ी का उदाहरण देते हैं। इस पेड़ के फल से जहां स्वादिष्ट व्यंजन बनते हैं, वहीं इसकी लकड़ी गांवों में पक्के और टिकाऊ मकानों की रीढ़ साबित हुई है। यह सिर्फ परंपरा नहीं, बल्कि एक आजमाई हुई तकनीक है। नेगुवां गांव में स्थित एक ऐतिहासिक घर, जो करीब 500 साल पुराना है, आज भी अपनी मजबूती से लोगों को हैरान कर रहा है। गांव के बुजुर्गों के अनुसार, जब गांव की नींव पड़ी थी, तभी यह घर, एक कुआं और राम-जानकी मंदिर बनाया गया था। घर की खास बात यह है कि इसमें 365 महुआ लकड़ियों की करी (बीम) का इस्तेमाल हुआ, जो आज भी जस की तस मौजूद हैं। 500 साल पहले जब आधुनिक निर्माण सामग्री जैसे गाटर-चीप या सीमेंट का कोई नामोनिशान नहीं था, तब यह दोहरा खंड महुआ की लकड़ी के सहारे बनाया गया। हालांकि, समय के साथ ऊपरी मंजिल क्षतिग्रस्त हो गई, लेकिन नीचे का ढांचा आज भी महुआ लकड़ी के सहारे खड़ा है। कमरों में दरवाजे और बीम आज भी मजबूत हालत में हैं। इस लकड़ी की सबसे बड़ी खूबी है कि इसमें घुन या दीमक नहीं लगता। ग्रामीणों के अनुसार, महुआ की लकड़ी बेहद टिकाऊ होती है और बरसों तक सड़ती नहीं। यही वजह थी कि पहले गांवों में अधिकतर घर इसी लकड़ी से बनाए जाते थे। जहां भी महुआ का पेड़ सुलभ होता, वहां इसका उपयोग जरूर होता। छतरपुर के ग्रामीण क्षेत्र आज भी इस परंपरा को सहेज रहे हैं। महुआ के पेड़ अब भी गांवों में देखने को मिलते हैं, और कुछ ग्रामीण इसे घर निर्माण में उपयोग में ला रहे हैं। यह न सिर्फ पारंपरिक ज्ञान का उदाहरण है, बल्कि पर्यावरण के अनुकूल निर्माण तकनीक की मिसाल भी है।

संसद के विशेष सत्र में देश को दी जाए जानकारी : राहुल

» नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने पीएम मोदी को लिखा पत्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर पहलगाम आतंकवादी हमले और सीमा पार से गोलीबारी के मामले में ताजा घटनाक्रम पर चर्चा के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग की है। राहुल ने अपने पत्र में लिखा, मैं विपक्ष के सर्वसम्मति से किए गए अनुरोध को दोहराता हूं कि संसद का विशेष सत्र तुरंत बुलाया जाए। लोगों और उनके प्रतिनिधियों के लिए पहलगाम आतंकवादी हमले, ऑपरेशन सिंदूर और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से दोनों देशों के संघर्ष-विराम के लिए तैयार होने की घोषणा पर चर्चा करना अहम है।

विपक्ष की मांग- ऑपरेशन सिंदूर व सीज फायर पर हो चर्चा

यह आने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए हमारे सामूहिक संकल्प को प्रदर्शित करने का भी अवसर होगा। उन्होंने कहा, मुझे विश्वास है कि आप इस मांग पर गंभीरतापूर्वक और शीघ्रता से विचार करेंगे। खरगे ने अपने पत्र में उनके और राहुल गांधी की ओर से 28 अप्रैल को लिखे गए पत्रों का जिक्र किया, जिनमें प्रधानमंत्री से पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के मद्देनजर संसद का विशेष सत्र बुलाने का अनुरोध किया गया था। कांग्रेस अध्यक्ष ने लिखा, ताजा घटनाक्रम के मद्देनजर लोकसभा में विपक्ष के नेता ने आपको फिर से पत्र लिखकर संसद का विशेष सत्र बुलाने के सभी विपक्षी दलों के सर्वसम्मति से किए गए अनुरोध से अवगत कराया है, ताकि पहलगाम हमले, 'ऑपरेशन सिंदूर' और संघर्ष-विराम की घोषणा पहले वाशिंगटन और बाद में भारत व पाकिस्तान की सरकारों द्वारा किए जाने के मुद्दे पर चर्चा की जा खरगे ने कहा, राज्यसभा में विपक्ष के नेता के तौर पर मैं इस अनुरोध के समर्थन में पत्र लिख रहा हूं। मुझे विश्वास है कि आप (हमारी मांग से) सहमत होंगे।

पाकिस्तान नहीं है भरोसे लायक : दीपेंद्र सिंह

कांग्रेस सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि पाकिस्तान आतंकवादियों को पोषित करने वाला देश पूरी दुनिया में घोषित हो चुका है।

उन्होंने कहा पाकिस्तान भरोसे लायक नहीं है। ये बात सारी दुनिया जानती है। बीते कल जो युद्ध विराम की घोषणा हुई है उसको लेकर हमारी सरकार से मांग है कि सरकार लोकसभा का विशेष सत्र और एक सर्वदलीय बैठक बुलाए क्योंकि हमने विपक्ष के नाते अपना पूरा समर्थन और सहयोग हमारे देश की सेना और सरकार को देने का काम किया है। उस विशेष सत्र में हमारी सेना के पराक्रम और शौर्य का आभार व्यक्त कर सकें। पूरे देश की तरफ से संयुक्त एक संदेश पूरी दुनिया में जाए और सरकार पहलगाम में हुए आतंकी हमले से लेकर ऑपरेशन सिंदूर और अमेरिका द्वारा युद्ध विराम की घोषणा तक सारे पहलुओं पर बिंदुवार सरकार देश के सामने रखे। आतंकवाद को जड़ से खत्म करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं और क्या आगे उठाए जा सकते हैं। इन बातों को लेकर संसद का विशेष सत्र बुलाया जाए और सर्व दलीय बैठक भी बुलाई जाए। इसमें प्रधानमंत्री खुद भी मौजूद रहें।

किसानों पर सीएम मान के बयान पर कोहराम

» पानी पर तकरार जारी, कांग्रेस बोली- सीएम माफी मांगें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। किसानों पर सीएम मान के बयान के बाद पंजाब में सियासी कोहराम मच गया है। पंजाब में विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा ने पंजाब के किसानों के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी के लिए मुख्यमंत्री भगवंत मान की कड़ी निंदा की। बाजवा ने कहा कि नंगल डैम पर मुख्यमंत्री ने किसानों पर हमला बोला और एयर कंडीशनर ट्रॉलियों में प्रदर्शन को लेकर उनका मजाक उड़ाया, जोकि गलत है। बाजवा ने कहा कि सीएम को इस तरह बयानबाजी नहीं करने चाहिए। किसान अपनी मांगों को लेकर पिछले एक साल से बॉर्डर पर तैनात रहे। 2020-21 में कृषि कानूनों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान 750 से अधिक किसानों ने अपनी जान गंवा दी और शंभू और खनौरी में चल रहे 2024-25 के आंदोलन के दौरान 45 और किसानों की मौत हो गई।

पंजाब के किसान सम्मान और न्याय के हकदार हैं, न कि इस तरह से उनका अपमान करना चाहिए। बाजवा ने कहा कि सीएम तुरंत किसानों से माफी मांगे। पंजाब कांग्रेस किसानों के संघर्ष में उनके साथ खड़ी है। पंजाब और हरियाणा के बीच चल रहे जल विवाद के बीच सीएम भगवंत मान ने रविवार को नंगल में किसानों पर टिप्पणी की थी। सीएम मान ने पानी के मुद्दे को लेकर किसान यूनियनों की चुप्पी पर सवाल उठाए थे। मान ने कहा था कि इससे किसानों की सोच का पता चलता है कि उनका काम सिर्फ हाईवे रोकना है। सिर्फ बेतुके मसलों पर सड़क और रेलवे ट्रैक जाम करके अपनी दुकान चला रहे हैं, लेकिन राज्य से संबंधित महत्वपूर्ण और गंभीर मुद्दे पर पूरी तरह चुप हैं।

नन्हें सितारे बने फैशन फिएस्टा के सुपरस्टार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। रेडियो सिटी द्वारा आयोजित किड्स फैशन फिएस्टा 2025 का आयोजन भव्यता के साथ संपन्न हुआ। इस विशेष आयोजन में 4 से 12 वर्ष तक के बच्चों ने भाग लिया और तीन राउंड्स—फैंसी ड्रेस, इंडियन अटायर, और वेस्टर्न आउटफिट में अपनी रचनात्मकता, आत्मविश्वास और मंच कला का शानदार प्रदर्शन किया।पहले राउंड में बच्चों ने सुपरहीरो, पौराणिक पात्रों, बॉलीवुड किरदारों और राजनेताओं के रूप में सजीव प्रस्तुतियां दीं।

इस राउंड के विजेता रहे- अमाहीरा, , अमोघ। दूसरे राउंड में भारतीय पारंपरिक परिधानों में बच्चों ने मंच पर गरिमा के साथ रैम्प वॉक किया। इस राउंड के विजेता रहे- सायेशा, आरना, रिदिमा। तीसरे राउंड में वेस्टर्न आउटफिट्स के साथ बच्चों ने आत्मविश्वास और स्टाइल का प्रदर्शन किया, जहां जजों ने बच्चों से संवाद कर उनकी सोच और अभिव्यक्ति को सराहा। इस राउंड के विजेता रहे- इशानी, धैर्यराज, प्रणिषा। ओवरऑल विनर - क्रिस्टल को घोषित किया गया, जिन्होंने तीनों राउंड्स में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सभी का दिल जीत लिया। कार्यक्रम का मंच संचालन रेडियो सिटी की लोकप्रिय आरजे राशि, करिश्मा, और मयंक ने उत्साहपूर्ण अंदाज़ में किया, जिससे पूरे माहौल में जोश और ऊर्जा बनी रही।

बिना सुरक्षा उपकरणों के हो रही नालों की सफाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नगर निगम लखनऊ शहर में साफ सफाई के लिए करोड़ों रुपए का बजट खर्च करता है। इस साफ-सफाई के अभियान सड़क से लेकर नाले और नलियों की सफाई भी आती है और इस बजट में साफ-सफाई के उपकरण के साथ सफाई कर्मियों के लिए सुरक्षा उपकरण भी शामिल होते हैं। पूर्व में शहर में कई जगह नाले और गटर की सफाई के दौरान सफाई कर्मियों की मौत भी चुकी है लेकिन नगर निगम ने बीती घटनाओं से कोई सबक नहीं लिया। जिसकी बानगी इन दिनों जोन 4 में चल रहा सफाई अभियान है।

लखनऊ नगर निगम सफाई कर्मियों की जान के साथ कर रहा खिलवाड़

लखनऊ नगर निगम के लिए सफाई कर्मियों की जान की कीमत इतनी सस्ती है कि जोन 4 का लोहिया अस्पताल के पास बने गहरे नाले की सफाई बगैर किसी सुरक्षा उपकरण के कराई जा रही है और यही नज़ारा विराज खंड में हेल्थ सिटी अस्पताल के पास के नाले की सफाई के दौरान भी देखने को मिला। इन दोनों स्थानोंपर सफाई कर्मी न तो गमबूट पहने थे, न ही ग्लव्स और मास्क। ऐसे में बिना किसी सुरक्षा के नाले में उतरकर काम करना न सिर्फ नियमों की अनदेखी है, बल्कि सुरक्षा कर्मियों के जीवन से खिलवाड़ भी है।

सफाई के लिए करोड़ों रुपए का हुआ था टेंडर

नगर निगम ने पूरे शहर में नाला सफाई के लिए करोड़ों रुपये का टेंडर जारी किया था और इतने बड़े बजट के बाद भी सफाई बीते वर्षों में सीवर में उतरने से शहीद स्मारक के निकट 2 कर्मियों की मृत्यु भी हो चुकी है जिसके बाद भी नगर निगम प्रशासन नहीं चेत रहा। नगर निगम में हो रही लापरवाही और अनियमितताओं पर क्या कोई ठोस कदम उठाया जाएगा या फिर हमेशा की तरह खानापूर्ति होती रहेगी।

भारत ने जीती त्रिकोणीय सीरीज

» श्रीलंका को 97 रन से हराया, स्मृति मंधाना ने जड़ा शतक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलंबो। भारत ने श्रीलंका को 97 रन से हराकर त्रिकोणीय सीरीज का फाइनल मुकाबला जीत लिया। कोलंबो में टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने स्मृति मंधाना की शतकीय पारी की मदद से 50 ओवर में सात विकेट खोकर 342 रन बनाए थे। जवाब में श्रीलंका की टीम 48.2 ओवर में सिर्फ 245 रन ही बना सकी और ऑलआउट हो गई।

उनके लिए कप्तान चामरी अट्टापट्टू ने सर्वाधिक 51 रनों की पारी खेली। वहीं, भारत की तरफ से स्नेह राणा ने चार और अमनजोत कौर ने तीन विकेट चटकाए। इस सीरीज की तीसरी टीम दक्षिण अफ्रीका थी जो फाइनल के लिए क्वालिफाई नहीं कर सकी थी। टीम इंडिया को पहला झटका प्रतिका रावल के रूप में लगा। वह 49 गेंद पर दो चौके की मदद से 30 रन बनाकर आउट हुईं। इसके बाद मंधाना ने हरलीन देओल के साथ दूसरे विकेट के लिए 120 रन की साझेदारी निभाई। इस बीच मंधाना ने वनडे करियर का 12वां शतक पूरा किया। उन्होंने 101 गेंद में 15 चौके और दो छक्के की मदद से 116 रन की पारी खेली। लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंका की शुरुआत झटके के साथ हुई। अमनजोत कौर ने पहले ही ओवर में हसिनी पेरेरा को बोल्ड किया। वह खाता भी नहीं खोल पाईं। हालांकि, श्रीलंका ने इससे उबरते हुए विश्मी गुनारत्ने और चामरी अट्टापट्टू की साझेदारी की बदौलत दूसरे विकेट के लिए 68 रन जोड़े। भारत के लिए स्नेह राणा और अमनजोत कौर के अलावा श्री चरणी ने एक विकेट हासिल किया।

शेष आईपीएल का कार्यक्रम आज हो सकता है जारी

नई दिल्ली। भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर की घोषणा होने के बाद आईपीएल 2025 के शेष मैचों का कार्यक्रम सोमवार को जारी किया जा सकता है। बताया जा रहा है कि आईपीएल 2025 का शेष सत्र 16 या 17 मई से शुरू हो सकता है। दिलचस्प बात यह है कि इसका फाइनल मुकाबला कोलकाता के अलावा किसी अन्य शहर में कराया जा सकता है। भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव के कारण आईपीएल 2025 को एक सप्ताह के लिए स्थगित किया गया था। आईपीएल संचालन परिषद के सदस्यों और बीसीसीआई के अधिकारियों ने आईपीएल को दोबारा शुरू करने पर रविवार को चर्चा की। बीसीसीआई के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने कहा कि बोर्ड उपयुक्त कार्यक्रम पर काम कर रहा है। शुक्ला ने कहा, फिलहाल आईपीएल पर कोई फैसला नहीं लिया गया है। बीसीसीआई अधिकारी समाधान पर काम कर रहे हैं।

विदेश सचिव पर अभद्र टिप्पणी से बवाल

बचाव में उतरे राजनेता, पूर्व राजनयिक और अधिकारी

» सोशल मीडिया पर ट्रोलर्स ने मिसरी को संघर्ष विराम के लिए ठहराया जिम्मेदार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्षविराम समझौता कई लोगों को पच नहीं रहा है और इसके लिए उन्होंने विदेश सचिव विक्रम मिसरी और उनके परिवार को निशाना बनाना शुरू कर दिया है। बता दें कि विक्रम मिसरी ने ही एक संवाददाता सम्मेलन में दोनों देशों के बीच डीजीएमओ स्तर की वार्ता के बाद संघर्षविराम पर बनी सहमति की जानकारी दी थी। इसके बाद सोशल मीडिया पर ट्रोलरों ने उन पर हमले शुरू कर दिये। ट्रोलरों के हमले जब अपशब्दों में तब्दील होने लगे तो विक्रम मिसरी के बचाव में कई राजनीतिज्ञ और राजनयिक आ गये।

बता दें कि विक्रम मिसरी के लिए गद्दार, देशद्रोही जैसे अपशब्द कहे गए और कुछ पोस्ट में तो उनकी बेटियों की नागरिकता तक पर सवाल उठाए गए। विक्रम मिसरी के व्यक्तिगत एक्स खाते पर सोशल मीडिया यूजरों द्वारा अश्लील टिप्पणियां की गईं। ट्रोलरों ने पाकिस्तान के साथ हुए समझौते के लिए विक्रम मिसरी को दोषी ठहराया। उधर, अपनी बेटी के बारे में की गई अपमानजनक टिप्पणियों के बाद विक्रम मिसरी को अपना सार्वजनिक खाता लॉक करना पड़ा।

गद्दार, देशद्रोही जैसे अपशब्द कहे गए

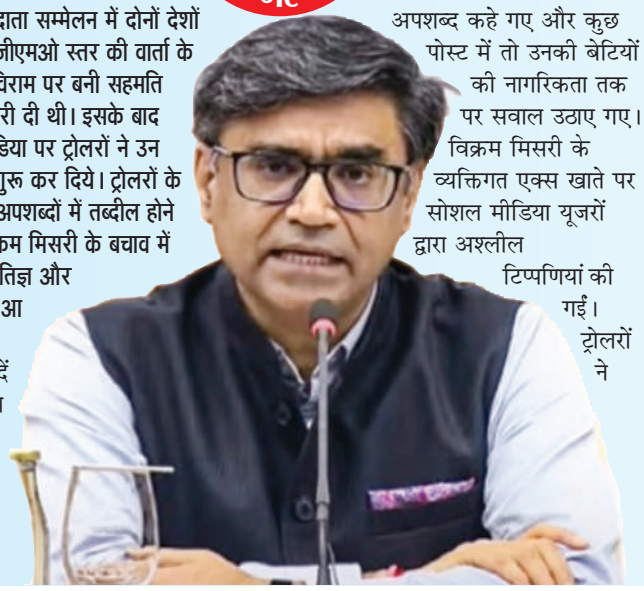

राजनयिकों के पीछे एकजुट होकर खड़ा होना चाहिए : निरुपमा मेनन

पूर्व विदेश सचिव निरुपमा मेनन ने वरिष्ठ राजनयिक को सोशल मीडिया पर 'ट्रोल' किए जाने को "बेहद शर्मनाक" बताया और कहा कि यह "शालीनता की हर सीमा को पार करता है।" उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, "भारत और पाकिस्तान के बीच सहमति बनने की घोषणा को लेकर विदेश सचिव विक्रम मिसरी और उनके परिवार को 'ट्रोल' किया जाना बेहद शर्मनाक है। मिसरी एक समर्पित राजनयिक हैं, जिन्होंने पेशेवर तरीके और दृढ़ संकल्प के साथ भारत की सेवा की है। उनकी निंदा करने का कोई आधार नहीं है।" पूर्व विदेश सचिव निरुपमा मेनन राव ने कहा कि उनकी बेटी की व्यक्तिगत जानकारी उजागर करना और उनके प्रियजनों को गालियाँ देना सभ्यता की हर सीमा को पार करता है। इस जहरीली घृणा को तुरंत रोकना होगा, हमें अपने राजनयिकों के पीछे एकजुट होकर खड़ा होना चाहिए।

केंद्र की चुप्पी चिंता का विषय : अखिलेश

ट्रोलरों को जवाब देते हुए समाजवादी पार्टी (सपा) के प्रमुख अखिलेश यादव ने केंद्र की भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि केंद्र सरकार सोशल मीडिया पर एक शीर्ष अधिकारी और उनके परिवार को लेकर कथित रूप से 'शर्मनाक, आपत्तिजनक और बेहद दुर्भाग्यपूर्ण' व्यक्तिगत हमले किये जाने के बावजूद चुप है। अखिलेश यादव ने कहा कि यह मामला सिर्फ व्यक्तिगत नहीं बल्कि राष्ट्रीय चिंता का विषय है क्योंकि इस तरह के हमले देश के लिए अथक परिश्रम करने वाले ईमानदार अधिकारियों का मनोबल गिरा सकते हैं। अखिलेश यादव ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, निर्णय तो सरकार का होता है, किसी अधिकारी का नहीं। ये बेहद संवेदनशील, निंदनीय, शर्मनाक, आपत्तिजनक और दुर्भाग्यपूर्ण बात है कि देश के एक बहुत बड़े अधिकारी और उनके परिवार के खिलाफ कुछ असामाजिक-आपराधिक तत्व सरेआम अपशब्दों की सारी सीमाएं तोड़ रहे हैं लेकिन उनके मान-सम्मान की रक्षा के लिए न तो भाजपा सरकार, न ही उनका कोई मंत्री सामने आकर ऐसी अवांछित पोस्ट करनेवालों के खिलाफ किसी कार्रवाई की बात कर रहा है।

शशि थरूर ने ऑनलाइन हमलों को बेतुका करार दिया

भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम समझौते की घोषणा के बाद सोशल मीडिया पर विदेश सचिव विक्रम मिसरी को निशाना बनाए जाने की घटना के बाद कांग्रेस नेता शशि थरूर ने उनका पुरजोर बचाव किया है। थरूर ने मिसरी के खिलाफ ऑनलाइन हमलों को बेतुका करार दिया और इस अनुभवी राजदूत की प्रशंसा की कि उन्होंने हाल के भारत-पाकिस्तान संबंधों में सबसे तनावपूर्ण क्षणों में से एक को धैर्यपूर्वक और प्रभावी ढंग से संभाला।

विदेश सचिव को दोषी नहीं ठहराया जाना चाहिए : ओवैसी

एआईएमआईएम के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, "विक्रम मिसरी एक सभ्य, ईमानदार, मेहनती राजनयिक हैं जो हमारे देश के लिए बिना थके काम कर रहे हैं। यह याद रखना चाहिए कि हमारे सिविल सेवा अधिकारी कार्यपालिका के अधीन काम करते हैं और उन्हें कार्यपालिका या वतन-ए-अजीज को चलाने वाले किसी राजनीतिक नेतृत्व द्वारा लिए गए निर्णय के लिए दोषी नहीं ठहराया जाना चाहिए।

डीजीपी की सेवानिवृत्त को लेकर झारखंड में संग्राम

» भाजपा व झामूमो आमने-सामने, लगने लगे भ्रष्टाचार के आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। केंद्र सरकार के आदेश के बाद भी अनुराग गुप्ता को डीजीपी पद से नहीं हटाया गया है। इस पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने सवाल खड़ा कर झारखंड सरकार के नियत पर सवाल उठाया है। भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। वहीं बाबूलाल मरांडी के बयान पर पलटवार करते हुए झामुमो के केंद्रीय महासचिव विनोद पांडे ने कहा बाबूलाल मरांडी को शायद याद नहीं है कि उन्होंने अपने शासनकाल में कितनी बार सुप्रीम कोर्ट के आदेशों का उल्लंघन किया था। कितने संवैधानिक पदों को अपने राजनीतिक लाभ के लिए इस्तेमाल किया था। झारखंड के डीजीपी अनुराग गुप्ता को लेकर चल रही विवाद थमने का नाम नहीं ले रही है।

केंद्र सरकार के आपत्ति के बाद भी राज्य सरकार के निर्देशानुसार अनुराग गुप्ता झारखंड के डीजीपी के तौर पर सेवा दे रहे हैं इस मामले पर अब राजनीतिक आरोप प्रत्यारोप का दौर शुरू हो चुका है। झारखंड में आज जिन मुद्दों पर मरांडी शोर मचा रहे हैं, वे उन्हीं के शासनकाल की देन हैं। तब के भ्रष्टाचार और नौकरशाही के खेल ने ही आज प्रशासनिक व्यवस्था को इस स्थिति में ला खड़ा किया है। लेकिन, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के दमदार नेतृत्व में राज्य का सही दिशा में विकास हुआ है। आज हर वर्ग के चेहरे पर मुस्कान देखने को मिल रही है। विनोद पांडे ने पलटवार करते हुए कहा संविधान और सुप्रीम कोर्ट का हवाला देने से पहले बाबूलाल मरांडी ये भी बताएं कि उन्होंने अपने शासनकाल में कितनी बार सुप्रीम कोर्ट के आदेशों का उल्लंघन किया था।

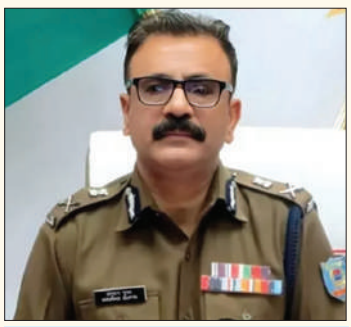

बेबुनियाद आरोपों का सहारा ले रहे भाजपा नेता : विनोद पाण्डे

विनोद पाण्डे ने झारखंड के डीजीपी अनुराग गुप्ता प्रकरण पर भाजपा के आरोपों का खंडन करते हुए कहा बाबूलाल मरांडी अब झारखंड की राजनीति में अपनी प्रासंगिकता बचाने के लिए बेबुनियाद आरोपों का सहारा ले रहे हैं। डीजीपी पद पर नियुक्ति प्रक्रिया को लेकर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में चल रही सरकार पर सवाल उठाने से पहले उन्हें अपनी पार्टी के अंदर झांककर देख लेना चाहिए।

सोरेन सरकार ने निर्लज्जता की हद पार की : मरांडी

बाबूलाल मरांडी ने राज्य सरकार के फैसले पर विरोध जताते हुए कहा है निर्लज्जता की भी एक हद होती है, पर झारखंड सरकार ने तो उसे भी पार कर दिया है। झारखंड देश का पहला ऐसा राज्य बन गया है जहां बीते दस दिनों से डीजीपी का पद खाली है और अनुराग गुप्ता 'डीजीपी' जैसे काम कर भी रहे हैं, तो बिना वेतन के सेवा दे रहे हैं। उन्होंने कहा ये तो नया भारत निर्माण 'बिना वेतन, बिना संवैधानिक वैधता, सिर्फ भ्रष्टाचार के दम पर प्रशासन। झारखंड सरकार पर तंज कसते हुए बाबूलाल ने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि राज्य सरकार ने न केवल संविधान के अनुच्छेद 312 को नकारा है, जो यूपीपीएससी को अधिकार देता है, बल्कि सुप्रीम कोर्ट के प्रकाश सिंह केस के निर्देशों को भी रद्दी की टोकरी में डाल दिया है।

सीजफायर के बावजूद आम जनजीवन प्रभावित

» घरों में कैद हैं लोग, सड़कों पर सन्नाटा, दुकानें बंद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर की घोषणा के बावजूद आम जनजीवन प्रभावित दिखाई दे रहा है। राजौरी में दुकानें बंद हैं। लोग अपने अपने घरों के अंदर हैं। लोगों में सीजफायर की घोषणा के बावजूद पाकिस्तान की मंशा को लेकर डर की स्थिति है। सड़कें लगभग खाली हैं। राजौरी के आम लोगों ने बताया कि बिजनेस चौपट है और स्कूल्स बंद होने से बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है, लोगों का कहना है कि पाकिस्तान पर भरोसा नहीं कर सकते।

जम्मू के बक्शी नगर इलाके में शनिवार तड़के भारत के एयर डिफेंस सिस्टम द्वारा पाकिस्तान ड्रोन को इंटरसेप्ट करने और उसमें विस्फोट होने की तस्वीर कैमरा में कैद हो गई है। इस हमले में तीन लोग घायल हुए थे जबकि दर्जनों वाहन क्षतिग्रस्त हुए थे। यह सीसीटीवी वीडियो शनिवार तड़के करीब 5 बजे का है। यह सीसीटीवी फुटेज जम्मू के बक्शी नगर इलाके का है, जहां पाकिस्तान द्वारा भेजे गए एक ड्रोन को भारत के एयर डिफेंस सिस्टम ने लोकेट कर ध्वस्त कर दिया। रविवार रात को जम्मू-कश्मीर समेत बॉर्डर से सटे अन्य इलाकों में शांति की स्थिति बनी रही थी।

लोगों ने कहा- पाकिस्तान पर भरोसा नहीं कर सकते

हालांकि, उम्मीद ये है कि पीओके एक ना एक दिन भारत का हिस्सा होगा। दुकानदारों ने पीएम मोदी पर भरोसा जताते हुए कहा कि उन्हें उम्मीद है, मोदी पाकिस्तान को सबक जरूर सिखायेंगे, युवा से लेकर बुजुर्ग ये मानते हैं कि पाकिस्तान पर भरोसा नहीं किया जा सकता, ऐसे में सीजफायर भले हो गया हो लेकिन पाकिस्तान कब फायरिंग कर देगा, इसपर कोई यकीन नहीं कर सकता।

यूट्यूबर एल्विश यादव को हाईकोर्ट से झटका

» सांप के जहर और ड्रग्स के इस्तेमाल का चलेगा मुकदमा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने यूट्यूबर एल्विश यादव की उस याचिका को खारिज कर दिया है, जिसमें उनके खिलाफ दर्ज एफआईआर में दर्ज आरोप पत्र के खिलाफ दायर आरोप पत्र में कहा गया था कि यूट्यूब वीडियो बनाने के लिए सांपों और सांप के जहर का दुरुपयोग किया गया है।

उन पर आरोप है कि वह रेव पार्टियों में लोगों को सांप के जहर और अन्य नशीली दवाओं का सेवन कराते हैं। न्यायमूर्ति सौरभ श्रीवास्तव की पीठ ने सोमवार को मौखिक रूप से टिप्पणी करते हुए उनकी याचिका खारिज कर दी कि यादव के खिलाफ आरोपपत्र और एफआईआर में बयान हैं और ऐसे आरोपों की सत्यता की जांच मुकदमे के दौरान की जाएगी।

बुधवार से पूरे उत्तर प्रदेश में और तेज चलेंगी गर्म हवाएं

» लू का अलर्ट, जरूरी काम हो तभी घर से निकलें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में चिलचिलाती धूप और गर्म हवाओं का दौर शुरू हो चुका है। बीते दो दिनों में प्रदेश के पूर्वी और पश्चिमी दोनों संभागों में तापमान बढ़ने के साथ ही गर्मी का प्रभाव बढ़ा है। दोपहर की तपिश भरी गर्मी ने लोगों को बेहाल कर रखा है। मौसम विभाग की ओर से 14 मई से यूपी के पूर्वी और तराई हिस्सों के लगभग 20 जिलों में लू के थपेड़े चलने की चेतावनी जारी की गई है।

रविवार को वाराणसी, लखनऊ, बहराइच , गोरखपुर समेत लगभग 15 जिलों जिलों में दिन का तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार चला गया। बलिया और गाजीपुर में आज उष्ण रात्रि की संभावना जताई गई है। इस बीच रविवार को प्रदेश के पूर्वी, तराई और दक्षिणी हिस्सों में छिटपुट बूंदाबांदी देखने को मिली।

आंधी और बूंदाबांदी से शहर से गांव तक की बिजली गुल

राजधानी के शहर से लेकर गांव तक की आंधी और बूंदाबांदी ले बिजली गुल कर दी। ग्रामीण क्षेत्र में लाइनों पर पेड़ गिरने के कारण लोगों को ज्यादा देर तक कटौती झेलनी पड़ी। शहर में यह संकट आधे से लेकर एक घंटे तक रहा। रविवार दोपहर में निगोंहा उपकेंद्र की 33 केवी लाइन में फाल्ट आने के कारण 50 हजार आबादी को पांच घंटे तक बिजली संकट झेलना पड़ा।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार : सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार : संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट : हसन जैदी, दूरभाष : 0522- 4078371 | Email : daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।